गाजियाबाद , दिल्ली एवं नोएडा से एक साथ प्रकाशित

R.N.I.NO. UPHIN/1998/202

हिन्द आत्मा

केन्द्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा विज्ञापनों हेतु स्वीकृत

दैनिक

प्रातः कालीन संस्करण

दिल्ली-एनसीआर, गाजियाबाद, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, मेरठ, मोदीनगर, बागपत, हापुड, बुलन्दशहर, मुरादाबाद एवं लखनऊ में सर्वाधिक प्रसारित

● वर्षः 27 ● अंकः 59 ● गाजियाबाद, गुरूवार 29 मई, 2025 ● सम्पादक-अशोक कौशिक ● मूल्य : 1 रूपया

किसानों को मोदी सरकार का बड़ा तोहफा, खरीफ फसलों पर बढ़ाई एमएसपी, ब्याज सहायता योजना का भी ऐलान

- बडवेल-नेल्लोर राजमार्ग के निर्माण को मंजूरी
- रेलवे के दो मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी
- खरीफ की फसलों पर एमएसपी का एलान

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 2025-26 के खरीफ सत्र के लिए धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 69 रुपये बढ़ाकर 2,369 रुपये प्रति क्विंटल करने की मंजूरी दी है। इस बात की जानकारी केंद्रीय सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दी। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए एक बड़ा फैसला लिया गया है। पिछले 10-11 सालों में खरीफ फसलों के लिए टरढ में भारी बढ़ोतरी की गई है। इसी कड़ी में, खरीफ विपणन सत्र 2025-26 के लिए टरढ को कैबिनेट द्वारा मंजूरी दी गई है। कुल राशि लगभग 2,07,000 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। हर फसल के लिए लागत के साथ 50% को भी ध्यान में रखा गया है। दालों की बात करें तो 2025-26 के खरीफ सत्र के लिए तुअर का न्यूनतम समर्थन मूल्य 450 रुपये बढ़कर 8,000 रुपये प्रति क्विंटल, उड़द का 400 रुपये बढ़ाकर 7,800 रुपये प्रति क्विंटल और मूंग का 86 रुपये बढ़ाकर 8,768 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। रामतिल, रागी, कपास और सेसम (तिल) के लिए एमएसपी में पिछले वर्ष की तुलना में उच्चतम पूर्ण वृद्धि की सिफारिश की गई है। खरीफ फसलों के 2025-26 के लिए समर्थन मूल्य में वृद्धि केंद्रीय बजट 2018-19 के अनुरूप है, जिसमें एमएसपी को उत्पादन लागत के कम से कम 1.5 गुना के स्तर पर करने की घोषणा की गई थी।

अश्विनी वैष्णव ने यह भी बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने ब्याज सहायता योजना को मंजूरी दी है। अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्री रहते हुए किसान क्रेडिट कार्ड की शुरूआत की गई थी। इससे किसानों के लिए कार्यशील पूंजी प्राप्त करना बहुत आसान हो गया था। ब्याज सहायता योजना के माध्यम से कार्यशील पूंजी की लागत कम हो गई है। प्रभावी रूप से, किसानों के लिए 4% ब्याज पर 2 लाख रुपये तक का ऋण/पूंजी सुनिश्चित करने पर विचार किया गया है।

100 दिनों का रिपोर्ट कार्ड पेश करेगी रेखा गुप्ता सरकार

जनता को मिल रहा डबल इंजन का पूरा लाभ: गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को घोषणा की कि उनकी सरकार 31 मई को अपने पहले 100 दिनों का रिपोर्ट कार्ड पेश करेगी, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नागरिकों को अब तक किए गए कार्यों के बारे में सूचित रखना उनकी जिम्मेदारी है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 25 साल के अंतराल के बाद शहर में सरकार बनाई, जिसके तहत गुप्ता ने 20 फरवरी को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। रामलीला मैदान में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह एक भव्य समारोह था, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ गुप्ता के कैबिनेट सहयोगी भी शामिल हुए। दिल्ली सरकार के 100 दिन पूरे होने पर सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में जनता द्वारा चुनी गई काम करने वाली सरकार सत्ता में आई है। मैं दिल्ली की जनता का धन्यवाद करती हूं और उनसे कहना चाहती हूं कि आपके भरोसे पर हमने पिछले 100 दिनों में दिल्ली के लिए काम किया है। हमने कई ऐसे फैसले सही किए जो पिछली सरकारों के समय सही नहीं थे। केंद्र की योजनाओं को दिल्ली में लागू करने का काम किया गया। अब दिल्ली की जनता को डबल इंजन का पूरा लाभ मिल रहा है।

प्रशासन के प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए गुप्ता ने कहा कि इस दौरान दिल्ली सरकार अथक परिश्रम कर रही है। उन्होंने शहर में एक कार्यक्रम के दौरान संवाददाताओं से कहा कि आप सभी ने देखा है कि दिल्ली सरकार 247 काम करती नजर आ रही है। 30 मई को हमारी सरकार 100 दिन पूरे कर लेगी। हम 31 मई को दिल्ली की जनता के सामने अपना रिपोर्ट कार्ड पेश करेंगे। हम अपने द्वारा किए गए हर काम का ब्यौरा देंगे। जनता के समर्थन को स्वीकार करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह जनता ही थी जिसने राजधानी में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार बनाने में मदद की।

हिंडनबर्ग रिपोर्ट बुच के खिलाफ कार्रवाई आधार नहीं, लोकपाल से पूर्व सेबी प्रमुख को क्लीन चिट

नई दिल्ली। भ्रष्टाचार विरोधी लोकपाल ने सेबी की पूर्व प्रमुख माधबी पुरी बुच को राहत दे दी है। लोकपाल ने हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट के आधार पर पूर्व सेबी प्रमुख माधबी पुरी बुच के खिलाफ लगाई गई शिकायतों का निपटारा करते हुए उनपर लगे आरोपों को अप्रमाणित और तुच्छ बताया। साथ ही कहा कि ये आरोप बिना सत्यापन योग्य साक्ष्य के अनुमान पर आधारित थे। इन्हें लेकर किसी जांच की आवश्यकता नहीं है।

लोकपाल ने बुधवार को कहा कि माधबी पुरी बुच के खिलाफ बीते साल दर्ज की गई सभी शिकायतें मूल रूप से एक शॉर्ट सेलर ट्रेडर की रिपोर्ट पर आधारित थीं। जिसका उद्देश्य अडानी ग्रुप ऑफ कंपनीज को बेनकाब करना या उन्हें घेरना था। लोकपाल अध्यक्ष न्यायमूर्ति ए एम खानविलकर की अध्यक्षता वाली छह सदस्यीय पीठ ने आदेश में कहा कि शिकायतों में लगाए गए आरोप अनुमानों और मान्यताओं पर आधारित हैं। इनके एवज में किसी भी तरह के सबूत नहीं है। ऐसे में इन आरोपों पर किसी भी तरह की जांच का निर्देश नहीं दिया जा सकता। इस संबंध में पहले के आदेश का हवाला देते हुए लोकपाल ने कहा कि हिंडनबर्ग रिपोर्ट को बुच के खिलाफ कार्रवाई बढ़ाने का एकमात्र आधार नहीं बनाया जा सकता। आदेश में यह भी कहा गया है कि शिकायतकर्ता इस स्थिति से अवगत हैं। उन्होंने रिपोर्ट से प्रभावित होकर आरोप लगाने का प्रयास किया। लेकिन हमारे द्वारा आरोपों के विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकला कि वे अपुष्ट, अप्रमाणित और तुच्छ हैं। बता दें कि पूर्व सेबी प्रमुख के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सांसद महुआ मोइत्रा ने बीते साल 13 सितंबर को लोकपाल के पास शिकायत दर्ज कराई थी। साथ ही यह मांग की थी कि इस मामले की प्रारंभिक जांच के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) या केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो को भेजा जाएगा। महुआ मोइत्रा के अलावा कुछ अन्य लोगों ने भी इस मामले में शिकायत की थी। 10 अगस्त, 2024 को प्रकाशित अपनी रिपोर्ट में हिंडनबर्ग रिसर्च ने आरोप लगाया था कि माधबी पुरी बुच और उनके पति धवल बुच की मॉरीशस की ऑफशोर कंपनी 'ग्लोबल डायनामिक ऑपर्चुनिटी फंड' में हिस्सेदारी है। हिंडनबर्ग ने दावा किया था कि इसी कंपनी में गौतम अदाणी के भाई विनोद अदाणी ने अरबों डॉलर का निवेश किया है। आरोप था कि इस पैसे का इस्तेमाल ही शेयरों के दामों में तेजी लाने के लिए किया गया।

अगले तीन दिनों में बिगड़ने वाला है दिल्ली-एनसीआर का मौसम! आंधी-तूफान और तेज बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को अगले तीन दिनों तक मौसम के बदले मिजाज के लिए तैयार रहना चाहिए। भारतीय मौसम विभाग ने चेतावनी जारी करते हुए बताया है कि क्षेत्र में आंधी, बिजली और बारिश के साथ तेज हवाएं चल सकती हैं, जिनकी रफ्तार 70 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। आईएमडी के मुताबिक, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में बुधवार से शुक्रवार तक हल्की से मध्यम बारिश, गरज के साथ बिजली और तेज हवाएं देखने को मिल सकती हैं। गुरुवार, 30 मई को दिल्ली में मौसम सबसे ज्यादा खराब रहने की संभावना है, जब तेज आंधी के दौरान हवा की रफ्तार 70 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। मौसम विभाग की एडवाइजरी के अनुसार, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में 30 मई को 50-60 किमी प्रति घंटे की गति से चलने वाली आंधी, जो 70 किमी प्रति घंटे तक जा सकती है, की संभावना है। इसी तरह के हालात पंजाब, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और राजस्थान के कुछ इलाकों में भी देखने को मिल सकते हैं। दिल्ली में सतही हवाएं सामान्य तौर पर दक्षिण-पूर्व दिशा से चलेंगी, जिनकी गति 10 किमी प्रति घंटे से कम होगी। हालांकि, गरज के साथ अचानक तेज झोंकों की आशंका जताई गई है। नागरिकों को सलाह दी गई है कि वे खराब मौसम के दौरान घर के अंदर ही रहें, खुले में रखी वस्तुओं को सुरक्षित करें और बिजली गिरने के दौरान पेड़ों के नीचे खड़े होने से बचें।

चिलचिलाती गर्मी से मिलेगी राहत

मौसम विभाग ने बताया कि दिल्ली में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और बहुत हल्की से हल्की बारिश के साथ समय-समय पर बिजली भी गरज सकती है। अधिकतम तापमान 38 से 40 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा, जो सामान्य से 1-2 डिग्री कम होगा- यह मई के अंत की चिलचिलाती गर्मी से थोड़ी राहत दिला सकता है।

आईएमडी ने यह भी चेतावनी दी है कि बारिश, तेज हवाएं और बिजली गिरने की घटनाएं स्थानीय स्तर पर जलभराव, संपत्ति को मामूली नुकसान और यातायात में देरी जैसी समस्याएं पैदा कर सकती हैं। प्रशासन और आपातकालीन सेवाएं स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह सतर्क हैं। प्री-मॉनसून सीजन के चलते मौसम में उतार-चढ़ाव की संभावना बनी रहेगी। ऐसे में दिल्लीवासियों से अनुरोध है कि वे मौसम से जुड़ी अपडेट्स पर नजर रखें और विशेष रूप से तेज हवाओं व बिजली गिरने के दौरान सतर्कता बरतें।

देश भर में 7 जून को मनाई जाएगी बकरीद, मौलाना खालिद रशीद फरंगी ने किया एलान

लखनऊ। इस साल ईद-उल-अजहा का त्योहार अगले महीने मनाया जाएगा। इसे बकरीद के नाम से भी जाना जाता है। यह इस्लाम धर्म के प्रमुख त्योहारों में से एक है। इसको लेकर मरकजी चांद कमेटी की ओर से आधिकारिक एलान कर दिया गया है। मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने बताया कि इस बार 7 जून को बकरीद मनाई जाएगी। बकरीद के मौके पर बकरे की कुबार्नी दी जाती है।

मरकजी चांद कमेटी फरंगी महल के सदर और काजी-ए-शहर मौलाना खालिद रशीद फंरगी महली इमाम ईदगाह लखनऊ ने ऐलान किया है कि आज 29 जीकादा (28 मई 2025) को जिलहिज्ज का चांद हो गया है। इसलिए जिलहिज्ज की पहली तारीख 29 मई 2025 को होगी। इस प्रकार ईद-उल-अजहा (बकरईद) 7 जून 2025 को होगी। इस्लाम धर्म की धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, हजरत इब्राहिम अल्लाह के पैगंबर थे। वह खुदा में पूरा विश्वास रखते थे। ऐसा कहा जाता है कि एक बार पैगंबर ने हजरत इब्राहिम से कहा कि वह अपने प्यार और विश्वास को साबित करने के लिए सबसे प्यारी चीज का त्याग करें। मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने बताया कि ईद-उल अजहा की नमाज ऐशबाग ईदगाह में 10 बजे पढ़ी जाएगी। बकरीद के मौके पर नमाज और कुबार्नी संबंध में जल्द ही एडवाइजरी जारी की जाएगी।

पाक ने फिर किया ड्रोन हमला तो देशवासियों को डरने की जरूरत नहीं, भारत ने बनाया मास्टरप्लान

नई दिल्ली। आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई में नई लकीर खींचने वाले ऑपरेशन सिंदूर के जारी रहने के बीच भारत ने अपनी लंबी तैयारी के तहत शहरों को बाहरी चुनौतियों के लिहाज से भी तैयार करना शुरू कर दिया है। छह मई को गुलाम जम्मू-कश्मीर और पाकिस्तान में नौ आतंकी ठिकानों पर भारतीय सेनाओं के हमले के बाद पाकिस्तान की ओर से मिसाइल और समूह के रूप में ड्रोन हमलों की जो कार्रवाई की गई, उसके बाद पूर्व तैयारी के रूप में शहरों में नागरिकों के सुरक्षित ठिकाने तैयार करने की चर्चा सरकार के स्तर पर शुरू हुई है।

रूस के साथ चल रहे संघर्ष में यूक्रेन के शहरों, खासकर राजधानी कीव में भूमिगत मेट्रो स्टेशनों ने प्रभावी बम शेल्टर के रूप में लाखों लोगों की जान बचाई है। यूरोप के अनेक शहरों ने दूसरे विश्व युद्ध के अनुभवों के सबक लेकर रूस और अमेरिका के बीच लंबे समय तक चले शीत युद्ध के समय सैन्य तनाव को देखते हुए इस प्रकार की तैयारियां की थीं और उनका लगातार रखरखाव किया जा रहा है। आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय शहरों को मौजूदा स्वरूप में ही इसके लिए तैयार करने के तौर-तरीकों पर विचार कर रहा है। इसके लिए इमारतों के बेसमेंट के साथ ही चुनिंदा शहरों में मेट्रो समेत अन्य भूमिगत निर्माण ढांचों का सहारा लिया जा सकता है। शहरी मामलों के विशेषज्ञों ने भी इसके लिए सुझाव दिए हैं। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ अर्बन अफेयर्स के निदेशक रहे हितेश वैद्य के अनुसार बदलते वैश्विक समीकरण और युद्ध नीति के नए आयामों को देखते हुए यह सही समय है जब भारत को अपने शहरों की सुरक्षा को लेकर एक नई और दूरगामी सोच अपनानी होगी। शहरों को केवल आंतरिक चुनौतियों के लिए ही तैयार नहीं करना है, बल्कि बाहरी खतरों को भी ध्यान रखना होगा। जिस तरह हम भूकंप रोधी और अग्निरोधी इमारतों की बात करते हैं, उसी प्रकार हमें अपने शहरों को भविष्य की युद्ध चुनौतियों का सामना करने में सक्षम बनाने की दिशा में सोचना होगा।

चीन की चुनौतियों से भी तैयार रहने की जरूरत

भारत ने ऑपरेशन सिंदूर जैसी सैन्य कार्रवाई को न्यू नार्मल करार दिया है। यानी पाकिस्तान के हर दुस्साहस के लिए पूरी तरह तैयार रहने की जरूरत है। ताजा प्रसंग ने आक्रामक के साथ ही रक्षात्मक तैयारियों का महत्व भी रेखांकित किया है। इसके साथ ही चीन की चुनौती भी है, जिसे सैन्य विशेषज्ञों ने भी सबसे गंभीर माना है। हितेश वैद्य के अनुसार भारत में राष्ट्रीय भवन संहिता निर्माण के लिए मुख्य मार्गदर्शिका है, जो संरचनात्मक सुरक्षा पर केंद्रित है। यह संहिता आधुनिक युद्धक खतरों जैसे मिसाइल या ड्रोन हमलों से बचाव के विशिष्ट प्रविधानों पर विस्तृत रूप से प्रकाश नहीं डालती है।

क्या है सरकार की योजना?

इसकी समीक्षा के साथ ही पीएम आवास योजना जैसे कार्यक्रमों के तहत बनने वाले बहुमंजिला अपार्टमेंट कांप्लेक्स या सामुदायिक भवनों में इस तरह की व्यवस्था की जा सकती है। उनका सुझाव है कि सरकार घनी आबादी वाले क्षेत्रों और रणनीतिक रूप से अहम शहरों में नए आवासीय और वाणिज्यिक भवनों में एक निश्चित आकार के री-इन्फोर्स्ड सुरक्षित कमरों का निर्माण अनिवार्य कर सकती है। इसके अलावा सार्वजनिक आश्रय स्थलों का निर्माण किया जाना चाहिए और जो भी मेट्रो, पार्किंग स्थलों और सुरंगों के रूप में जो भी भूमिगत संरचनाएं हैं, उन्हें इस तरह डिजाइन और विकसित किया जाना चाहिए कि उनका आपात स्थिति में दोहरा उपयोग हो सके।

इंटरनेशनल फिल्म सिटी में बनने वाले फिल्म इंस्टीट्यूट में यूपी के युवाओं को मिलेगी वरीयता

यमुना एक्सप्रेसवे के करीब रहने वाले युवाओं को होगा लाभ, यूपी के अन्य हिस्सों के युवा भी होंगे लाभान्वित

- इंस्टीट्यूट में एक्टिंग, स्क्रिप्ट राइटिंग, एडिटिंग, वीएफएक्स समेत कई विषयों में मिलेगा प्रशिक्षण
- प्रशिक्षण के बाद इंटरनेशनल फिल्म सिटी में ही स्थानीय युवाओं को रोजगार मिलने का रास्ता होगा साफ
- पहले चरण में फिल्म सिटी में 3 लाख स्क्वायर फीट में होगा फिल्म इंस्टीट्यूट का निर्माण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के यमुना एक्सप्रेसवे के पास बनने वाली इंटरनेशनल फिल्म सिटी में एक अत्याधुनिक फिल्म इंस्टीट्यूट की स्थापना की जाएगी, जो राज्य के युवाओं, खासकर यमुना एक्सप्रेसवे क्षेत्र और इसके आसपास के युवाओं के लिए सुनहरे अवसर लेकर आएगा। इस इंस्टीट्यूट में एक्टिंग, स्क्रिप्ट राइटिंग, एडिटिंग, वीएफएक्स, कैमरा ऑपरेशन, लाइटिंग, फैशन, मीडिया और मास कम्युनिकेशन जैसे विविध कोर्सेज में प्रशिक्षण दिया जाएगा। खास बात यह है कि प्रशिक्षण के बाद युवाओं को फिल्म सिटी में ही रोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार की संभावनाएं बढ़ेंगी। उल्लेखनीय है कि यमुना एक्सप्रेसवे के पास बनने वाली यह इंटरनेशनल फिल्म सिटी 230 एकड़ में पहले चरण के तहत विकसित की जा रही है, जिसमें 1,510 करोड़ रुपये की लागत आएगी।

आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा फिल्म इंस्टीट्यूट

बॉलीवुड के प्रसिद्ध निमार्ता बोनी कपूर और भूटानी ग्रुप के कंसोर्सियम बेव्यू भूटानी फिल्म सिटी प्रा. लि. द्वारा यमुना एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (यीडा) के सेक्टर 21 में फिल्म सिटी का निर्माण करने जा रही है। निर्माण के पहले चरण में आगामी तीन साल के अंदर विभिन्न स्टूडियो और फिल्म इंस्टीट्यूट का निर्माण संपन्न होगा। कंपनी के जीएम राजीव अरोड़ा ने बताया कि यह फिल्म इंस्टीट्यूट अपनी तरह का अनोखा होगा। पहले चरण में 3 लाख स्क्वायर फीट क्षेत्र में इसका निर्माण किया जाएगा। इंस्टीट्यूट में आधुनिक तकनीकों से सुसज्जित कक्षाएं, स्टूडियो, एडिटिंग सुइट्स और वीआर लैब होंगे। छात्रों को वास्तविक फिल्म परियोजनाओं पर काम करने का अनुभव प्रदान किया जाएगा, साथ ही नवीनतम फिल्म तकनीकों तक उनकी पहुंच सुनिश्चित की जाएगी। राजीव अरोड़ा ने कहा कि इंस्टीट्यूट में प्रशिक्षण और रोजगार दोनों में स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। खास तौर पर यमुना एक्सप्रेसवे और इसके आसपास के क्षेत्रों के युवाओं को पहली वरीयता मिलेगी, जबकि उत्तर प्रदेश के अन्य हिस्सों के युवा भी लाभान्वित होंगे। उन्होंने बताया कि मुंबई से स्टाफ लाने की तुलना में स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षित कर रोजगार देना अधिक किफायती होगा, जिससे फिल्म सिटी में ही स्टूडियो, प्रोडक्शन और अन्य क्षेत्रों में नौकरियां सृजित होंगी।

इंस्टीट्यूट में एक्टिंग, स्टोरी राइटिंग, स्क्रिप्ट राइटिंग, एडिटिंग, कैमरा ऑपरेशन, लाइटमैन, स्पॉट ब्वॉय, वीएफएक्स, फैशन और मास कम्युनिकेशन जैसे कोर्सेज उपलब्ध होंगे। इसके अलावा, फिल्म म्यूजिक से संबंधित प्रशिक्षण और सुविधाएं भी प्रदान की जाएंगी। प्रोडक्शन हाउस के साथ साझेदारी के माध्यम से कार्यशालाएं, इंटर्नशिप और गेस्ट लेक्चर्स का आयोजन होगा, जिससे छात्रों को इंडस्ट्री के दिग्गजों से सीखने का मौका मिलेगा। फिल्म सिटी में फिल्मों के प्रीमियर आयोजित करने की व्यवस्था होगी, ताकि प्रोडक्शन हाउस को अपनी फिल्में लॉन्च करने के लिए अन्य शहरों में भटकना न पड़े। इसके साथ ही, फिल्मों, स्क्रिप्ट्स और अकादमिक सामग्री से युक्त एक समग्र संसाधन केंद्र भी स्थापित किया जाएगा। यह केंद्र छात्रों और फिल्म निमार्ताओं के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन के रूप में काम करेगा।

फिल्म महोत्सव और छात्र सहभागिता

इंस्टीट्यूट में फिल्म महोत्सवों, प्रदर्शनियों और प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा, जिसमें छात्रों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। ये आयोजन न केवल छात्रों की रचनात्मकता को बढ़ावा देंगे, बल्कि उन्हें इंडस्ट्री में नेटवर्किंग और एक्सपोजर भी प्रदान करेंगे। फिल्म इंस्टीट्यूट के कैंपस में छात्रों के लिए छात्रावास, कैफेटेरिया, स्वास्थ्य केंद्र और मनोरंजन क्षेत्र जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

कैलाश मानसरोवर यात्रा के मद्देनजर प्रमुख सचिव मुकेश मेश्राम ने किया कैलाश मानसरोवर भवन का निरीक्षण

कैलाश मानसरोवर यात्रियों को किसी न हो कोई समस्याः मेश्राम

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। कैलाश मानसरोवर यात्रा के मद्देनजर प्रमुख सचिव पर्यटन, सांस्कृतिक एवं धर्मार्थ मुकेश मेश्राम महोदय ने कैलाश मानसरोवर भवन, इन्दिरापुरम, गाजियाबाद का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान आगामी कैलाश मानसरोवर यात्रा दिनांक 11 जून 2025 से 26 अगस्त 2025 तक के मद्देनजर प्रमुख सचिव महोदय द्वारा आवश्यक दिशा- निर्देश दिये गये। उन्होंने कैलाश मानसरोवर यात्रियों के आवागमन, खान-पान, विश्राम सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया। उन्होने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कैलाश मानसरोवर भवन एवं प्रांगण में साफ-सफाई, स्वच्छता एवं सौन्दर्यकरण की विशेष व्यवस्था की जाएं। उन्होने निर्देशित किया कि भवन में कमरों, शौचालयों को साफ व स्वच्छ रखना सुनिश्चित किया जांए, साथ ही सभी इलैक्ट्रोनिक उपकरण एसी, पंखा, कूलर, लाईट की समुचित व्यवस्था करना सुनिश्चित करें साथ ही शुद्ध पेयजल व विद्युत की व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जाएं। राजकीय निर्माण निगम द्वारा कराये जा रहे उक्त कार्यों के सम्बंध में प्रमुख सचिव महोदय ने निर्देशित किया कि कार्य गुणवत्तापूर्णक शीघ्र सम्पन्न करायें जाएं। भवन प्रांगण में हरित सौन्दर्यकरण के साथ-साथ अन्य सौन्दर्यकरण के कार्य करवायें जाएं। कैलाश मानसरोवर यात्रियों को किसी भी समस्या का सामना ना करना पड़ें इस ओर विशेष ध्यान दिया जाएं। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी दीपक मीणा, एडीएम सिटी विकास कश्यप, पर्यटन अधिकारी सुरेश रावत, कैलाश मानसरोवर भवन मैनेजर दिनेश गर्ग सहित पर्यटन निगम के अधिकारी व अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

गाजियाबाद के प्रखर बनाए गए भारतीय युवा कांग्रेस के लीगल डिपार्टमेंट के प्रदेश सह संयोजक

प्रखर दिल्ली में वकालत कर रहे हैं, प्रखर वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉक्टर संजीव शर्मा के है पुत्र

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉक्टर संजीव शर्मा के पुत्र एडवोकेट प्रखर वशिष्ठ को भारतीय युवा कांग्रेस द्वारा लीगल डिपार्टमेंट में प्रदेश सह संयोजक बनाया गया है। प्रखर को नियुक्ति पर गाजियाबाद के युवा कांग्रेसियों ने खुशी जताई प्रदेश महासचिव युवा कांग्रेस वसीम कुरैशी, महानगर युवा अध्यक्ष शादाब अब्बासी, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष सलमान मंसूरी, जिला उपाध्यक्ष युवा कांग्रेस आसिफ सिद्दीकी, जिला उपाध्यक्ष युवा कांग्रेस कृष्ण गौतम, जिला महासचिव आसिफ इकबाल रंगरेज, साहिबाबाद विधानसभा युवा कांग्रेस अध्यक्ष साहिल अब्बासी, लोनी विधानसभा युवा कांग्रेस अध्यक्ष अमजद इदरीसी और धौलाना युवा कांग्रेस अध्यक्ष सान अब्बासी आदि ने प्रखर को बधाई देते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब, लीगल सेल अध्यक्ष रूपेश भदौरिया और प्रदेश अध्यक्ष युवा कांग्रेस पारस शुक्ला का आभार व्यक्त किया। वहीं कांग्रेस नेता नसीम खान ने कहा कि प्रखर को नियुक्ति से गाजियाबाद युवा कांग्रेस को मजबूती मिलेगी।

राष्ट्रीय पंजाबी युवा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष तनुज खन्ना लकी का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। राष्ट्रीय पंजाबी युवा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष तनुज खन्ना लकी का जन्मदिन बड़े ही धूमधाम से केक काटकर राजनगर सेक्टर-23 में उनके कार्यालय पर मनाया गया। वरिष्ठ समाजसेवी प्रवीण बत्रा और राष्ट्रीय युवा संगठन के राष्ट्रीय महामंत्री अनिल अरोड़ा और मनीष मित्तल ने पगड़ी और पटका पहनकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान किया। इस अवसर पर तनुज खन्ना लकी ने कहा कि वो हमेशा अपने पंजाबी समाज के लिए हर समय खड़े है और खड़े रहेंगे। और वरिष्ठ समाज सेवी प्रवीण बत्रा का हमेशा मार्गदर्शन मिला है। मुझे आशा है आगे भी इसी तरह का मार्गदर्शन और सहयोग मिलता रहेगा ओर समाज के सभी साथियों का आभार प्रकट किया।

इंदिरापुरम पब्लिक स्कूल प्रताप विहार में समर कैंप का आयोजन

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। इंदिरापुरंम पब्लिक स्कूल प्रताप विहार में पूर्व प्राथमिक कक्षाओं से लेकर कक्षा पॉचवीं तक के विद्यार्थियों के लिए 19 मई से 30 मई तक समर कैंप (अभिव्यक्ति)का आयोजन किया जा रहा है। बच्चों के मनोरंजन के साथ उनके सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए आकर्षक गतिविधियों जैसे- बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट, शतरंज, कैरम, ड्रॉइंग एवं पेंटिंग, पर्सनैलिटी डेवलपमेंट, ताइक्वांडो, फूड क्राफ्ट, बोर्ड मेकिंग, स्केटिंग्स, ड्रॉइंग एंड पेंटिंग, फोटोग्राफी, फन विद मैथ, इंडियन डांस, वेस्टर्न डांस, योगा, एरोबिक्स तथा वेब डिजाइनिंग एवं मूवी मेकिंगआदि गतिविधियों की व्यवस्था की गई है।

पैरामाउंट लिटिल ऐंजल्स स्कूल में तीन दिवसीय समर कैंप का हुआ आयोजन

लिटिल शेफ बन बच्चों ने विभिन्न तरह की स्वादिष्ट डिस बनाई

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। वेवसिटि इकला स्थित पैरामाउंट लिटिल ऐंजल्स स्कूल में तीन दिवसीय समर कैंप का आयोजन किया गया। यह समर कैंप 26 मई से लेकर 28 मई तक रहा। जिसमें प्यारे बच्चों को विभिन्न तरह की गतिविधियां कराई गई। खेल-कूद, ड्राइंग प्रतियोगिता, डांस क्लास, आर्ट एण्ड क्राफ्ट गतिविधि, समर कैंप के अंतिम दिन बच्चों ने लिटिल शेफ बनकर स्वादिष्ट सैंडविच बनाये। इस अवसर पर स्कूल प्रधानाचार्य मोहित नागर ने कहा कि तीन दिवसीय समर कैंप में सभी बच्चों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया व समर कैंप में विभिन्न गतिविधियों का आनन्द लिया। स्कूल प्यारे बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए हमेशा तत्पर रहता है। इस अवसर पर शैली, सीमा, निशा, मिनाक्षी, मीरा, हर्षिता दीपा आदि शिक्षिकाएं मौजूद रहीं।

राम चमेली चड्ढा विश्वास गर्ल्स कॉलेज में विश्व मासिक धर्म दिवस का आयोजन

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। मेरा युवा भारत, गाजियाबाद, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार तथा राम चमेली चड्ढा विश्वास गर्ल्स कॉलेज, गाजियाबाद के संयुक्त तत्वाधान तथा उपनिदेशक देवेंद्र कुमार के निर्देशन में बुधवार को विश्व मासिक धर्म दिवस का आयोजन राम चमेली चड्ढा विश्वास गर्ल्स कॉलेज, गाजियाबाद में किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती पल्लवी जोशी ने इस कार्यक्रम के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इसकी शुरूआत 2024 में जर्मन जॉन सरकारी संगठन वाश यूनाइटेड द्वारा की गई 28 में तारीख चुनने के लिए उन्होंने बताया कि आमतौर पर महिलाओं में पीरियड्स हर 28 दिन में होते हैं इसलिए 28 मई को इस दिवस मनाने के लिए चुना गया। इस दिन को मनाने का उद्देश्य समाज में मासिक धर्म को लेकर लोगों की चुप्पी, शर्म और मिथ्या को समाप्त करना तथा इसमें स्वच्छता बनाएं रखने के लिए टीनएजर्स लड़कियों को जागरूक करना है। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में स्वास्थ्य विभाग एमएमजी हॉस्पिटल गाजियाबाद से श्रीमती हिना विक्टर एवं चेतन गोस्वामी थी। श्रीमती हिना विक्टर ने बताया कि यह एक प्राकृतिक प्रक्रिया है जिससे सभी महिलाओं को हर महीने गुजरना पड़ता है तथा प्रजनन के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने मासिक धर्म से जुड़ी स्वच्छता, मिथक, भ्रांतियों एवं स्वास्थ्यगत जागरूकता के विषय में अत्यंत प्रभावशाली ढंग से संबोधित किया। दूसरी वक्ता चेतन गोस्वामी ने बताया छोटी सी लापरवाही भी उनके स्वास्थ्य पर बुरा असर डाल सकती है एवं कई बीमारियों और इन्फेक्शन का असर स्वास्थ्य पर पड़ सकता है इसलिए यदि हमें किसी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है तो हमें तुरंत इसके लिए डॉक्टर से सलाह करनी चाहिए। इस अवसर पर मेरा युवा भारत केंद्र के उपनिदेशक देवेंद्र कुमार कुमार ने छात्राओं को सिविल डिफेंस जैसे महत्वपूर्ण विषय पर भी चर्चा की। साथ ही माय भारत पोर्टल पर छात्राओं का नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवक के रूप मे पंजीकरण कराया तथा छात्राओं को डिजिटल सहभागिता के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि आज की जागरूक एवं सशक्त युवतियां ही कल की नेतृत्वकर्ता होंगी। कॉलेज की प्राचार्या डॉ. नीतू चावला ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से छात्राओं में आत्मविश्वास, स्वच्छता के प्रति सजगता एवं सामाजिक जिम्मेदारी का भाव उत्पन्न होता है। कार्यक्रम में महाविद्यालय की संयोजिका श्रीमती गीतांजलि खुराना, अंजू सिंह ,स्मृति सिंह, हिमानी त्यागी एवं बड़ी संख्या में छात्राएं, प्रकाश तिवारी और पूर्व राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक तालिब उपस्थित रहे।

पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर त्रिशताब्दी स्मृति अभियान-2025 के अंतर्गत पंचायत प्रतिनिधि सम्मेलन हुआ संपन्न

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाज़ियाबाद। पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर त्रिशताब्दी स्मृति अभियान-2025 के अंतर्गत भाजपा महानगर गाज़ियाबाद द्वारा HLM कॉलेज, दिल्ली-मेरठ रोड पर पंचायत प्रतिनिधि सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने की तथा मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष मनोज पोशवाल एवं मुख्य आयोजक मुरादनगर विधायक अजीत पाल त्यागी उपस्थित रहे। सम्मेलन में पूर्व दर्जा प्राप्त मंत्री बलदेव राज शर्मा, पूर्व महापौर आशु वर्मा व आशा शर्मा, पूर्व विधायक कृष्ण वीर सिरोही, चेयरमैन राजन चौधरी, पूर्व अध्यक्ष अरविंद भारतीय, अमर दत्त शर्मा, पूर्व एमएलसी सुरेश कश्यप, ब्लॉक प्रमुख राजीव त्यागी व राहुल चौधरी डैनी, महामंत्री सुशील गौतम सहित अनेक गणमान्य मंच एवं कार्यक्रम में उपस्थित रहे। सैकड़ों पंचायत प्रतिनिधियों, निगम एवं नगरपालिका प्रतिनिधियों ने भागीदारी निभाई और स्थानीय शासन में सक्रिय सहयोग व जनकल्याणकारी योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुँचाने का संकल्प लिया। महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने कहा कि पंचायत प्रतिनिधि लोकतंत्र की रीढ़ हैं। अहिल्याबाई होल्कर के आदर्शों से प्रेरित होकर भाजपा अंतिम व्यक्ति तक योजनाएं पहुँचाने का कार्य कर रही है। क्षेत्रीय अध्यक्ष मनोज पोशवाल ने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर का जीवन नारी सशक्तिकरण और जनसेवा की प्रेरणा है। यह सम्मेलन जनप्रतिनिधियों में नई ऊर्जा का संचार करेगा। भाजपा ग्रामीण-शहरी विकास में संतुलन और पंचायत सशक्तिकरण हेतु प्रतिबद्ध है। विधायक अजीत पाल त्यागी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्राथमिकता में गांवों का विकास सर्वोपरि है। पंचायत प्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी से बुनियादी सुविधाएं सशक्त हो रही हैं। यह सम्मेलन संगठन से जुड़ाव और सुशासन में सहभागिता का माध्यम बनेगा ।विधायक ने सभी आगंतुकों का आभार प्रकट करते हुए कार्यक्रम समापन की घोषणा की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पंचायत प्रतिनिधि, ब्लॉक प्रमुख, बीडीसी, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। संचालन बॉबी त्यागी ने किया, सहयोग गौरव चोपड़ा व धीरज शर्मा द्वारा तथा मीडिया समन्वय प्रदीप चौधरी द्वारा किया गया।

गांवों में ग्रीन चौपाल का गठन करेगी योगी सरकार

पर्यावरण संरक्षण में आमजन की भागीदारी सुनिश्चित करेगा चौपाल, ग्राम प्रधान होंगे अध्यक्ष, ग्राम पंचायत अधिकारी संयोजक

- किसान, आंगनबाड़ी, स्वयं सहायता समूह की महिला, विद्यालय के प्रधानाध्यापक को भी जोड़ा जाएगा
- 2030 तक यूपी के 15 फीसदी भाग को हरियाली से आच्छादित करने की तरफ योगी सरकार का बड़ा कदम
- इसके तहत गांवों में ग्राम वन की भी की जाएगी स्थापना, माह में एक बार अनिवार्य रूप से होगी ग्राम चौपाल की बैठक

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विगत दिनों बैठक में निर्देश दिया था कि वर्ष 2030 तक प्रदेश के हरित आवरण को 15 प्रतिशत तक ले जाना है और यह लक्ष्य तभी सफल होगा, जब वृक्षारोपण जनांदोलन का स्वरूप ले। इसे देखते हुए वन विभाग गांवों में ग्रीन चौपाल का गठन करेगा। चौपाल के जरिए पर्यावरण संरक्षण में आमजन की भागीदारी भी सुनिश्चित होगी। विभिन्न विभागों के सहयोग से प्रत्येक ग्रामसभा स्तर पर ग्रीन चौपाल का गठन किया जाएगा। गांवों में प्रधान ग्रीन चौपाल के अध्यक्ष होंगे। ग्रीन चौपाल की प्रत्येक माह में कम से कम एक बैठक अनिवार्य रूप से होगी। साथ ही गांवों में ग्राम वन की भी स्थापना की जाएगी।

जिला पर्यावरण समिति के सदस्य सचिव प्रभागीय वनाधिकारी द्वारा प्रत्येक ग्रामसभा स्तर पर विभिन्न विभागों के सहयोग से ग्रीन चौपाल का गठन किया जाएगा। इसके अध्यक्ष ग्राम प्रधान होंगे। सेक्शन/बीट अधिकारी सदस्य सचिव, ग्राम विकास अधिकारी संयोजक होंगे। इसके अलावा तीन ग्राम पंचायत सदस्य (न्यूनतम एक महिला सदस्य), स्वयं सहायताा समूह की एक महिला प्रतिनिधि, प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक, आंगनबाड़ी सहायिका, प्रगतिशील कृषक, पर्यावरणविद्/स्थानीय एनजीओ के प्रतिनिधि व जैव विविधता प्रबंधन समिति के प्रतिनिधि ग्राम चौपाल के सदस्य होंगे। संबंधित विभागों के प्रतिनिधि विशेष आमंत्रित सदस्य होंगे। पौधरोपण के लिए ग्राम पंचायतवार माइक्रोप्लान की विवेचना एवं क्रियान्वयन में ग्रीन चौपाल की सक्रिय सहभागिता रहेगी। इसके साथ ही ग्राम पंचायत में हरीतिमा विकास के लिए उपलब्ध रिक्त भूमि पर पौधरोपण व रखरखाव सुनिश्चित करेगा। ग्राम चौपाल शासन एवं जिला वृक्षारोपण समिति की मंशा के अनुरूप दायित्वों का निर्वहन करेगा। मिशन लाइफ, वन, वन्यजीव, आर्द्र भूमि, पर्यावरण, जैवविविधता संरक्षण, जलवायु परिवर्तन, पौधरोपण, कार्बन क्रेडिट, वैकल्पिक ऊर्जा आदि के सम्बन्ध में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं के संबंध में आमजन को भी जागरूक किया जाएगा। मानव-वन्यजीव संघर्ष के नियंत्रण करने के लिए प्रचार-प्रसार के साथ ही ग्राम हरित निधि की स्थापना व संचालन पर भी ग्राम चौपाल की टीम का फोकस रहेगा।

प्रदेश की हरियाली बढ़ाने के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रत्येक माह ग्रीन चौपाल की कम से कम एक बैठक अनिवार्य रूप से होगी। विभिन्न विभागों की पर्यावरण से जुड़ी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार भी किया जाएगा। पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन आदि के प्रति स्थानीय स्तर पर विशेष प्रचार-प्रसार यथा- नुक्कड़ नाटक, रैली, गोष्ठी आदि का आयोजन भी होगा। गांव स्तर पर विद्यालयों में शिक्षकों/विद्यार्थियों को जैव-विविधता, पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन आदि के सम्बन्ध में जागरूक किया जायेगा। ग्रीन चौपाल के कार्यों की निगरानी जिला वृक्षारोपण समिति करेगी। ग्रीन चौपाल के सुचारू रूप से संचालन हेतु समन्वयन का कार्य प्रभागीय वनाधिकारी द्वारा किया जायेगा। मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप ग्रीन चौपाल के गठन की तैयारी की जा रही है। यूपी में हरियाली बढ़ाने के लिए ग्रीन चौपाल की भी मदद ली जाएगी। गांव स्तर पर प्रधान इसके अध्यक्ष होंगे। हरियाली के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए प्रतिमाह ग्रीन चौपाल की बैठक कम से कम एक बार अनिवार्य रूप से होगी।

कलेक्ट्रेट परिसर में कोई बाहरी वाहन न खड़े किये जायें : नगर मजिस्ट्रेट

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। नगर मजिस्ट्रेट/प्रभारी अधिकारी (नजारत)/ कृते जिलाधिकारी, गाजियाबाद द्वारा प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए सूचित किया गया कि संज्ञान में आया है कि कलेक्ट्रेट परिसर में अधिकारीगण/ कर्मचारीगण के अतिरिक्त अन्य बाहरी व्यक्तियों द्वारा वाहन भी खड़े कर दिये जाते हैं, जिससे अपरिहार्य परिस्थिति में अधिकारीगण के वाहनों के आवागमन में कठिनाई उत्पन्न हो जाती है। उक्त समस्या से बचाव हेतु सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि कलेक्ट्रेट परिसर में अधिकारीगण/ कर्मचारीगण के अतिरिक्त, अन्य कोई बाहरी वाहन न खड़े किये जायें। यदि कोई बाहरी वाहन खड़ा पाया जाता है, तो उक्त वाहन का चालान कर दिया जायेगा, जिसकी जिम्मेदारी वाहन स्वामी की होगी। बाहरी व्यक्ति निर्धारित पार्किंग में ही अपना वाहन खड़ा करें।

केंद्रीय विद्यालय ऑर्डिनेंस फैक्ट्री मुरादनगर में सीएटीसी कैंप के दौरान विभिन्न गतिविधियों का हुआ आयोजन

हिन्द आत्मा संवाददाता

मोदीनगर। 35 यूपी बटालियन एनसीसी के तत्वाधान में पीएम केंद्रीय विद्यालय ऑर्डिनेंस फैक्ट्री मुरादनगर में चल रहे सी ए टी सी, 123 कैंप के नवे दिन ट्रेनिंग की शुरूआत पी टी परेड से हुई। जिसके बाद दिनभर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में विजई रहे छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित किया गया।

बुधवार को ऑर्डिनेंस फैक्ट्री मुरादनगर स्थित केंद्रीय विद्यालय में आयोजित एनसीसी कैंप के दौरान कैडेट्स को पी टी परेड के बाद टेंट पिचिंग, व ड्रिल कराई गई। शाम को पहले से जारी खेलकूद प्रतियोगिताओं का फाइनल कराया गया। जिसमें इंटर बटालियन फायरिंग कंपटीशन में 35 बटालियन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जिसमें शामिल रहे टीम के कैडेट सदस्य अथर्व, हनी चौहान सागर, संदीप, मोहित, रिहान, किट्ठू, राधिका रानी आदि को कैंप कमांडेंट कर्नल पी के सिंह एवं डिप्टी कैंप कमांडेंट लेफ्टिनेंट कर्नल आर पी दहिया ने प्रोत्साहित किया। इसके बाद एनसीसी कैडेट ने विभिन्न गतिविधियों के दौरान रंगारंग सांस्कृतिक प्रोग्राम प्रस्तुत करते हुए सोलो डांस, सोलो सॉन्ग, डांस, ग्रुप सॉन्ग व वाद्य यंत्र के द्वाराअपनी प्रतिभा का खूबसूरती से प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर देशभक्ति गीतों के साथ रंगारंग प्रस्तुति देते हुए माहौल को देश भक्ति भावनाओं से ओत प्रेत कर दिया। इस अवसर पर मौजूद रहे केंद्रीय विद्यालय मुरादनगर के प्रधानाचार्य मनोज कुमार, कैंप कमांडेंट कर्नल पी के सिंह, डिप्टी कैंप कमांडेंट लेफ्टिनेंट कर्नल आर पी दहिया, लेफ्टिनेंट नगेंद्र कुमार, लेफ्टिनेंट राजीव कुमार जांगिड़, एनसीसी ऑफिसर डॉ, अमित कुमार, ऑफिसर अनुराग गुप्ता, जीसीआई, सोनिया केयर टेकर कोमल, सूबेदार मेजर परमानंद, सूबेदार निर्दोष थापा, सूबेदार सूर्यमान गले, सूबेदार अफतार हुसैन, हवलदार पंकज कुमार, हवलदार संजीत कुमार, हवलदार संतोष कुमार यादव, हवलदार पवन, हवलदार भूपराम, मनोज कुमार, विनय, विपिन कुमार, फरजंद अली, चंद्रवीर, जोगिंदर आदि लोग उपस्थित रहे।

1984 के पीड़ितो को जो नौकरी देने का काम दिल्ली सरकार ने किया है यह बहुत ही ऐतिहासिक है: इंद्रजीत सिंह टीटू

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। गुरुद्वारा श्री सिंह सभा गाजियाबाद के प्रधान इंद्रजीत सिंह टीटू ने कहा कि दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता के द्वारा एक ऐतिहासिक कदम गरीबों की मदद के लिए एक अच्छा काम मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता के द्वारा जो किया गया है मैं इस अच्छे काम के लिए पूरे सिख समाज की तरफ से विशेष तौर से गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा रेलवे रोड बजरिया की पूरी कमेटी की तरफ से आभार प्रकट करना चाहता हूं। दिल्ली सरकार के केंद्रीय मंत्री सरदार मनिंदर सिंह सिरसा का जिनकी मेहनत की वजह से दिल्ली की मुख्यमंत्री ने एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए 1984 के पीड़ित लोगों को जो नौकरी देने का काम किया है यह बहुत ही ऐतिहासिक और इन परिवारों पर उपकार करने वाला काम किया है। 1984 सिख नरसंहार पीड़ित परिवारों को नौकरियों के लिए नियुक्ति पत्र दिये गए यह सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं था, बल्कि न्याय और सम्मान की दिशा में एक मजबूत कदम है सिख परिवारों के जख्मों पर मरहम रखने का काम किया। कई सालों तक केजरीवाल सरकार ने केवल वादे किए, मगर अमल कुछ नहीं हुआ। लेकिन आज, माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच और रेखा गुप्ता की संवेदनशीलता के साथ यह कार्य हो पाया है।

पत्रकार के घर नन्हे पोते के रूप में खिला खुशियों से महकता फूल

गणमान्य व्यक्तियों ने दी परिवार को बधाई

हिन्द आत्मा संवाददाता

मोदीनगर। मुरादनगर पत्रकार रोजुद्दीन के घर हुआ नन्हे पोते का जन्म ।नन्हे बच्चे के जन्म के बाद से ही जहां परिवार में खुशी का माहौल है वहीं मोदीनगर मुरादनगर से जुड़े साथी पत्रकारों सहित शुभचिंतकों ने भी अपार खुशी का इजहार करते हुए परिवार को बधाई दी।

मंगलवार को देर शाम मुरादनगर पत्रकार रोजुद्दीन के पुत्र शहनवाज उर्फ शानू की पत्नी तरन्नुम ने एक खूबसूरत से नन्हे पुत्र को जन्म दिया। जैसे ही इस खुशी का रोजुद्दीन के साथी पत्रकारों एवं सूचित चिंतकों को लगा तो रोजुद्दीन को बधाई मिलने का सिलसिला शुरू हो गया। मालूम हो कि अब इसे खुदा के यहां से नियुक्त किया गया कोई विशेष समय कहेंगे या फिर इत्तेफाक क्योंकि रोजुद्दीन के पुत्र शानू की शादी मंगलवार को हुई थी उनके घर पहले पुत्री का जन्म भी मंगलवार को ही हुआ और अब दूसरे बच्चे ने भी मंगलवार के दिन ही जन्म लिया। नन्हे पुत्र के जन्म के बाद से ही घर परिवार में खुशी का माहौल है।

ताऊ बन गया राक्षस, छह वर्षीय मासूम से की दरिंदगी

खुर्जा। उत्तर प्रदेश के खुर्जा में एक मुंह बोले ताऊ की काली करतूत सामने आई है। जहां ताऊ ने छह वर्षीय मासूम से दुष्कर्म किया। घटना खुर्जा देहात थाना क्षेत्र के एक गांव की है। आरोपी टॉफी देने के बहाने अपने घर ले गया था। छह वर्षीय मासूम बच्चे की हालत गंभीर है। मुठभेड़ के दौरान पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया। मुंह बोले पड़ोसी ताऊ ने मंगलवार शाम को छह वर्षीय मासूम के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। परिजनों का आरोप है कि घटना में बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसको अलीगढ़ मेडिकल में भर्ती कराया गया है। रात को सूचना मिलने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर्ज और बुधवार सुबह मुठभेड़ के बाद आरोपी को गिरफ्तार किया, जिसमें आरोपी के एक पैर में गोली लगी। पीड़िता मां ने बताया कि मंगलवार शाम को गांव के सभी बच्चे मोहल्ले में खेल रहे थे। उनकी छह वर्षीय बेटी भी वहीं खेल रही थी। पड़ोस में रहने वाला रवींद्र, जो रिश्तेदारी में पीड़िता का जेठ लगता है।

प्रशिक्षण एवं मॉक ड्रिल हेतु नागरिक सुरक्षा ने पोस्ट की बैठक बुलाई

वार्डन आपातकाल सेवा के लिए सदैव तत्पर: गुलाम नवी

गाजियाबाद (हिन्द आत्मा)। शास्त्री नगर क्षेत्र के जीवन विहार में पोस्ट 7, शास्त्री नगर टाउन हॉल डिवीजन के नवनियुक्त वार्डनों एवं स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित करने एवं पोस्ट पर मॉक ड्रिल कराए जाने हेतु सेक्टर वार्डन अरुण श्रीवास्तव के निवास सी 11 जीवन विहार में स्टाफ ऑफिसर मुकेश शर्मा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक में मुख्य अतिथि गोल्ड मेडलिस्ट सहायक उप नियंत्रक एवं कार्यालय प्रभारी गुलाम नवी, विशिष्ट अतिथि स्टाफ ऑफिसर मुकेश शर्मा, ज्योति गुप्ता घटना नियंत्रण अधिकारी शशिकांत शर्मा वरिष्ठ वार्डन नवनीत चौधरी पोस्ट वार्डन रिजर्व संजय शर्मा उपस्थित हुए। गुलाम नबी ने नागरिक सुरक्षा कोर में नवयुवकों, महिलाओं सहित सभी को ज्वाइन करने का आवाह्न किया। उन्होंने सभी वार्डनों को नागरिक सुरक्षा के महत्व एवं उसके कार्य के बारे में विस्तार से समझाया। उन्होंने यह भी बताया कि जिले में पुरानी आबादी के हिसाब से 5 डिवीजन बने है जब की वर्तमान में आबादी के हिसाब से लगभग 17 डिवीजन होने चाहिए जिसके लिए प्रस्ताव भेजा जा चुका है उन्होंने यह भी बताया कि सरकार को एक पत्र लिखा है कि हमारे वार्डन गृह मंत्रालय के अधीन सदैव सरकार और प्रशासन के साथ कार्य करते हैं जनता के बीच रहते हैं उनके द्वारा परिवार रजिस्टर बनाए जाते हैं, इसलिए उनको चरित्र प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र का सत्यापन करने का अधिकार दिए जाएं साथ ही यात्रा में किराए और टोल टैक्स में छूट दी जाए। बैठक का प्रारंभ संजय शर्मा पोस्ट वार्डन रिजर्व ने वहां उपस्थित वरिष्ठ पदाधिकारियों का परिचय देकर और नागरिक सुरक्षा के स्ट्रक्चर के विषय में एवं मुख्य कार्य के बारे में जानकारी दी एवं पोस्ट के सभी सेक्टर के सेक्टर वार्डनों से फायरफाइटर एवं प्राथमिक उपचार टीम को अति शीघ्र पूर्ण किए जाने का आग्रह किया। बैठक समापन के बाद मुख्य अतिथि गुलाम नबी को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। साथ ही सभी वरिष्ठ वार्डन को भी सम्मानित किया गया। सेक्टर वार्डन अरुण श्रीवास्तव के कार्यों की सराहना करते हुए उनकी ऊर्जा और सेवा कार्य के लिए सहायक उप नियंत्रक, पोस्ट वार्डन रिजर्व एवं पोस्ट वार्डन द्वारा सम्मान प्रतीक देकर सम्मानित किया गया। बैठक के अंत में होस्ट अरुण श्रीवास्तव को सभी ने धन्यवाद दिया, बैठक का संचालन संजय शर्मा पोस्ट वार्डन रिजर्व द्वारा किया। इस कार्यक्रम में सहायक उपनियंत्रक गुलाम नबी, वरिष्ठ वार्डन नवनीत चौधरी स्टाफ ऑफिस से मुकेश शर्मा ज्योति गुप्ता घटना नियंत्रण अधिकारी शशिकांत शर्मा, पोस्ट वार्डन रिजर्व संजय शर्मा पोस्ट वार्डन अरविंद दीक्षित डिप्टी पोस्ट वार्डन शेष राव सेक्टर वार्डन अरुण कुमार श्रीवास्तव उजमा, राहुल तोमर, अखिल भटनागर, यतेंद्र, मोनिका गोयल, यश दीक्षित, नीरज दीक्षित, प्रगम मिश्रा आदि वार्डन एवं स्वयंसेवक सम्मिलित हुए।

श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज तमिलनाडु की 4 दिन की धर्म व देव दर्शन यात्रा के लिए मदुराई पहुंचे

मदुराई एयरपोर्ट पर भक्तों ने महाराजश्री का जोरदार स्वागत अभिनंदन किया

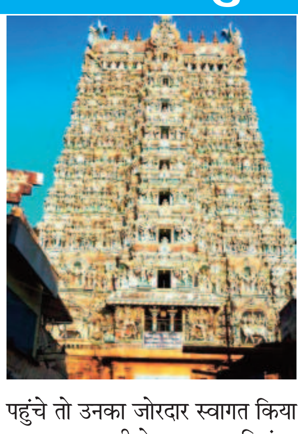

हिन्द आत्मा संवाददाता

मदुराई। सिद्धपीठ श्री दूधेश्वर महादेव मंदिर गाजियाबाद के पीठाधीश्वर, श्री पंच दशनाम जूना अखाड़ा के अंतर्राष्ट्रीय प्रवक्ता व दिल्ली संत महामंडल के अध्यक्ष श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज बुधवार को तमिलनाुड की चार दिवसीय धर्म यात्रा व देश दर्शन यात्रा पर मदुराई पहुंचे तो उनका जोरदार स्वागत किया गया। महाराजश्री के स्वागत अभिनंदन के लिए बडी संख्या में भक्त पहुंचे और उनका एयरपोर्ट पर फूल माला पहनाकर, पुष्प गुच्छ भेंटकर स्वागत अभिनंदन किया। श्री मदुराई राजस्थानी सेवा समाज ट्रस्ट के अध्यक्ष मोहनलाल चौधरी, उपाध्यक्ष हुकुम सिंह दहिया व जामत राज सुंदेशा, महामंत्री पुनभाराम प्रजापत, सचिव रमेश कुमार रावल व मादाराम चौधरी, कोषाध्यक्ष बाबूलाल कुमावत, श्री मदुराई राजस्थानी सेवा समाज सभा के अध्यक्ष जुहार सिंह चौहान, उपाध्यक्ष तेजारात सुथार, जीणाराम प्रजापत, महासचिव छैल सिंह दहिया, सह सचिव ओमप्रकाश चौधरी, अमराराम देवासी, कोषाध्यक्ष गुमानाराम चौधरी, सह कोषाध्यक्ष वगतावर सिंह देवडा, हंजाराम माली, प्रचार मंत्री रमेश कुमार घांची, बाबू सिंह परिहार, पूर्वअध्यक्ष गोविंद राम रावल, धन सिंह दहिया, गोक सिंह परमार, गंगा सिंह सिंघल, नवरत्न सोनी आदि ने उनका स्वागत किया। तमिलनाडु की यात्रा के दौरान महाराजश्री रामेश्वरम धाम के अलावा धनुषकोटि, राम मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे। साथ ही मदुराई में मीनाक्षी देवी मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे और मुदराई में श्री अम्बे माताजी के नवर्निमित मंदिर में 29 मई से 31 मई तक होने वाले प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेंगे। महाराजश्री चार धामों में शामिल रामेश्वरम धाम में ऑपरेशन सिंदूर के सफल होने पर पूजा-अर्चना करेंगे और भगवान राम व भगवान शिव से देश की सुरक्षा के लिए सदैव अपनी कृपा बनाए रखने की प्रार्थना करेंगे। महाराजश्री यात्रा के दौरान अनेक धार्मिक कार्यक्रमों में भी शामिल होंगे। मदुराई के श्री अम्बे माताजी मंदिर में श्री मदुराई राजस्थानी सेवा समाज ट्रस्ट द्वारा आयोजित प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में वे मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज ने बताया कि मदुराई का एतिहासिक मीनाक्षी मंदिर 2500 साल से भी ज्यादा पुराना है। इस मंदिर का गर्भगृह 3500 वर्ष पुराना है। इसकी बाहरी दीवारें और बाहर का मंदिर परिसर 1500.2000 वर्षों से भी ज्यादा पुराने हैं। इस भव्य मंदिर का निर्माण 45 एकड़ भूमि में हुआ है। मीनाक्षी देवी मंदिर देवी पार्वती के साथ शिव भी यहां विराजमान हैं। इस मंदिर में 12 भव्य गोपुरम है, जिन पर सुंदर नक्काशी की गई है। मंदिर में 8 खम्भे बनाए गए हैंए जिन पर माता लक्ष्मी की आठ मूर्तियां स्थापित की गई हैं। इन खम्भों पर भगवान शिव की पौराणिक कहानियां लिखी गई हैं। इसी मंदिर में भगवान गणेश की एक मूर्ति भी हैं, जिस पर पत्थर से महीन नक्काशी की गई है। मंदिर की मान्यता बहुत अधिक है और यहां पूजा-अर्चना करने वालों की सभी मनोकामना पूर्ण होती हैं।

सम्पादकीय

अब इतिहास बनेगी चुप्पी

एक बार फिर प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान को स्पष्ट संदेश दिया है कि अगर वह आतंकवाद का रास्ता नहीं छोड़ेगा, तो उसे और बुरे नतीजे भुगतने पड़ सकते हैं। पहलगाम हमले के बाद भारतीय सेना ने जिस सूझबूझ और शौर्य के साथ पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किया, वह एक बड़ी मिसाल है। उसके बाद पाकिस्तान के हुक्मरान भी सोचने पर विवश हुए कि आतंकवाद को पोसने का इतना बड़ा खमियाजा देश को उठाना पड़ा है। मगर चूंकि वहां की सेना और खुफिया एजंसी आतंकवाद को भारत के खिलाफ एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करती रही हैं, इसलिए वे अब भी अपने रास्ते में बदलाव को तैयार नहीं दिख रही हैं। प्रधानमंत्री ने इस बात को जोर देकर रेखांकित किया कि पाकिस्तान का एकमात्र मकसद भारत से नफरत करना और इसे नुकसान पहुंचाने के तरीके सोचना है, जबकि हमारे देश ने गरीबी खत्म करने और आर्थिक विकास का लक्ष्य रखा है। प्रधानमंत्री के इस बयान पर पाकिस्तान की तिलमिलाहट स्वाभाविक है। तुरंत इसके जवाब में उसने प्रतिक्रिया दी कि भारतीय प्रधानमंत्री के इस बयान से इस क्षेत्र में अशांति का खतरा पैदा हो गया है, जबकि पाकिस्तान अमन चाहता है।

हालांकि इस तरह की विरोधाभासी प्रतिक्रियाएं वह सदा से देता आया है। आपरेशन सिंदूर के बाद भाजपा पूरे देश में तिरंगा यात्रा निकाल रही है। सरकार ने दुनिया के अलग-अलग देशों में पाकिस्तान की हकीकत बताने और अपना पक्ष रखने के लिए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजे हैं। इसी क्रम में प्रधानमंत्री ने भी गुजरात में दो दिन की रैली की। उसी दौरान उन्होंने पाकिस्तान को खरी-खरी सुनाई। सरकार ने बार-बार रेखांकित किया है कि आपरेशन सिंदूर फिलहाल स्थगित है, वह समाप्त नहीं हुआ है। यानी वह अब भी सक्रिय है और पाकिस्तान की हरकतों पर नजर बनाए हुए है। जाहिर है, इससे पाकिस्तान में घबराहट है। बेशक वह कहता है कि भारत के किसी भी हमले का जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है, मगर हकीकत यही है कि जिस दौर से वह गुजर रहा है, फिलहाल वह किसी भी तरह के सैन्य संघर्ष का बोझ वहन कर पाने की स्थिति में नहीं है। अगर वह सचमुच भारत का मुकाबला कर सकने की स्थिति में होता तो, जैसा कि भारतीय विदेश मंत्रालय का कहना है, पाकिस्तान के सैन्य अधिकारी आपरेशन सिंदूर पर विराम लगाने की गुहार न लगाते। ऐसी स्थितियों में उसके नेता बेशक सार्वजनिक बयानों में भारत पर हमला करते रहे हों, पर जमीनी हकीकत हमेशा उससे दूर रही है। हकीकत यह है कि पाकिस्तान अपनी अंदरूनी स्थितियों से ही काफी परेशान है। उसकी माली हालत खस्ता हो चुकी है। कर्ज और इमदाद के भरोसे उसकी अर्थव्यवस्था टिकी हुई है। बलूचिस्तान के विद्रोही उसकी नाक में दम किए हुए हैं। इधर भारत ने सिंधु जल समझौता और व्यापारिक गतिविधियां स्थगित करके और परेशानी पैदा कर दी है। ऊपर से भारत पूरी दुनिया में उसकी असलियत बताने में जुटा है। इस तरह पाकिस्तान पूरी अंतरराष्ट्रीय बिरादरी में लगातार अलग-थलग पड़ता गया है। ऐसे में उसके हुक्मरान को अपनी सेना और खुफिया एजंसी की भारत विरोधी आतंकी गतिविधियों पर रोक लगाने के रास्ते तलाशने ही होंगे। प्रधानमंत्री ने फिर से भारत का रुख स्पष्ट कर दिया है कि वह किसी भी रूप में आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगा और इसके लिए पाकिस्तान को सबक सिखा कर रहेगा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक अशोक कौशिक द्वारा फाल्गुन बुक्स एंड प्रिन्टर्स, ए-1/185 स्वदेशी कॉम्पलैक्स, कविनगर इंडस्ट्रीयल एरिया, गाजियाबाद- 201001 से छपवाकर 308 अंसल सुमैधा बिल्डिंग, आर.डी.सी. राजनगर गाजियाबाद से प्रकाशित।

सम्पादक	:	अशोक कौशिक
समाचार सम्पादक	:	राकेश शर्मा
कानूनी सलाहकार	:	राजकुमार शर्मा, प्रदीप त्यागी, विकास त्यागी
मो.	:	9810149213
फोन	:	0120-4113213
E-mail	:	hindatma@gmail.com

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र गाजियाबाद होगा।

रक्षा में आत्मनिर्भरता के बढ़ते कदमों से बढ़ती सैन्य-ताकत

ललित गर्ग

ऑपरेशन सिंदूर की शानदार कामयाबी, पाकिस्तान को करारी चोट पहुंचाने, विश्व को भारत की सैन्य ताकत दिखाने और अपने सैनिकों के अद्भुत पराक्रम के प्रदर्शन की गौरवपूर्ण स्थितियों के बीच एक बड़ी खुशखबरी है कि भारत सरकार ने पांचवीं पीढ़ी के स्वदेशी लड़ाकू विमान (एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट यानी एएमसीए) के प्रोडक्शन मॉडल को मंजूरी देते हुए इस परियोजना पर आगे बढ़ने को हरी झंडी दिखा दी है। निश्चित ही इस फैसले से दुनिया की महाशक्तियां चौंकी है, वहीं यह भारतवासियों के लिये एक नई आशा एवं संभावनाभरी खुशखबरी है। क्योंकि दुनिया की महाशक्ति बनने के लिये सैन्य साजो-सामान की दृष्टि से आत्म निर्भर होना प्रथम प्राथमिकता है। दुनिया पर वर्चस्व स्थापित करने का यह सबसे बड़ा आधार है कि हम सैन्य साजो सामान में स्वावलम्बी ही नहीं, निर्यातक बने। क्योंकि उन्हें दूसरे देशों से खरीदने में विदेशी पूंजी का व्यय होने के साथ कई तरह के दबावों का भी सामना करना पड़ता है। दूसरे देश अपनी शर्तों पर ये हमें उपलब्ध कराते हैं, अर्थ का व्यय भी स्वदेशी उत्पादन की तुलना में बहुत ज्यादा करना पड़ता है। जबसे रक्षा सामग्री के निर्माण में निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाई गई है, तब से भारत का रक्षा निर्यात तेजी से बढ़ा है। रक्षा मंत्रालय के ताजा फैसले के बाद सरकारी और निजी क्षेत्र की कंपनियों के शेयर जिस तरह उछले, उससे यही पता चलता है कि देश रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर होने के लिए नई दिशाओं को उद्घाटित कर रहा है। निश्चित ही पांचवीं पीढ़ी के उन्नत लड़ाकू विमानों का देश में ही निर्माण करने और उसमें निजी क्षेत्र का सहयोग लेने की रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की घोषणा एक ऐसा फैसला है, जो दूरगामी एवं देशहित का सराहनीय कदम है। ऐसे फैसलों में बिना विलम्ब के प्रोत्साहन एवं सहयोग होना चाहिए। हमें निश्चित करना चाहिए कि आधुनिक लड़ाकू विमानों के निर्माण तय समय में हो, इसके लिए हरसंभव उपाय किए जाने चाहिए। ऐसे फैसलों से भारत की ताकत बढ़ती है, दुनिया की अधीनता कमतर होती है। गौरतलब है, अभी तक अमेरिका, रूस और चीन ने ही पांचवीं पीढ़ी के स्वदेशी लड़ाकू विमान बनाने में सफलता हासिल की है। इस योजना के जरिये दुनिया को यह संदेश देना है कि भारत अब पांचवीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान खरीदने की बजाय खुद बनाने का काम करेगा। इस स्वदेशी विमान के डिजाइन और विकास के लिए सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति ने हाल ही में पन्द्रह हजार करोड़ रुपये की राशि मंजूर की थी। अब रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी (एडीए) इस प्रोजेक्ट का नेतृत्व करेगी और डीआरडीओ के मुखिया की मानें, तो अगले एक दशक में यह लड़ाकू विमान भारतीय वायु सेना के बेड़े का हिस्सा होगा। निस्संदेह, हमारे रक्षा वैज्ञानिकों की सराहना की जानी चाहिए कि उनके अथक परिश्रम, तकनीकी कौशल और मेधा के कारण देश जल्द ही सुरक्षा साजो-सामान के मामले में भी आत्म-निर्भर बन जाएगा। इन स्थितियों के लिये जहां रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की सराहना होनी चाहिए वही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व का लोहा मानना चाहिए। मौजूदा समय में भारत लड़ाकू विमान के मामले में दूसरे देशों पर निर्भर है। सरकार ने इस दिशा में भी आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। इस फैसले से घरेलू एयरोस्पेस इंडस्ट्री को सशक्त बनाने में मदद मिलेगी। एएमसीए का विकास भारतीय वायु सेना की लड़ाकू क्षमताओं को मजबूत करने और देश की रक्षा को बढ़ावा देने में मील का पत्थर साबित होगा। पडोसी देशों की हरकतों, युद्ध की संभावनाओं एवं षडयंत्रों को देखते हुए आने वाले समय में होने वाले युद्ध में वायुसेना की क्षमता और तकनीक को अधिक सशक्त बनाने की अपेक्षा है। भारत हमेशा से एक शांतिकामी मुल्क रहा है, मगर अपनी सरहदों व विशाल आबादी की सुरक्षा के लिए वह दूसरे देशों के हथियारों या सुरक्षा उपकरणों पर पूरी तरह निर्भर नहीं रह सकता। विदेशी लड़ाकू विमानों या हथियारों की खरीद में उनके तकनीकी हस्तांतरण को लेकर कई तरह की पेचीदगियां पेश आती हैं। कई देश उन्नत रक्षा उपकरण तो दे देते हैं, लेकिन उनकी तकनीक नहीं देते या फिर उनके कलपुर्जे देने में देरी करते हैं। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि पर्याप्त संख्या में तेजस लड़ाकू विमान बनाने में इसलिए विलंब हो रहा है, क्योंकि अमेरिका उनके लिए इंजन देने में आनाकानी कर रहा है। इसलिए एचएएल, डीआरडीओ की स्थापना की जरूरत मससूस की गई थी और आज इनके बनाए हथियार न सिर्फ हमारी सैन्य शक्ति का हिस्सा बन रहे हैं, बल्कि इस वजह से हमारा 20 फीसदी से भी अधिक सैन्य आयात कम हुआ है। आज हम अपने स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस दुनिया को बेचने की स्थिति में हैं।

मौजूदा समय में लड़ाकू विमान के लिए भारत अमेरिका और पश्चिमी देशों और रूस पर निर्भर है। देश में लड़ाकू विमानों की कमी भी है। ऐसे में सरकार स्वदेशी निर्मित आधुनिक लड़ाकू विमान के निर्माण को बढ़ावा देने की दिशा में कदम उठाकर सूझबूझ एवं दूरगामी सोच का परिचय दिया है। आज जब युद्ध के तौर-तरीके बदल रहे हैं, तब भारत को हर तरह की रक्षा सामग्री स्वदेश में ही बनाने में इसलिए सक्षम होना होगा, क्योंकि ऐसा करके ही वह सच्चे अर्थों में महाशक्ति बन सकता है। प्रारंभ में विदेशी कंपनियों का सहयोग लेने में हर्ज नहीं, क्योंकि ऐसा करके ही तेजी के साथ उन्नत रक्षा समाग्री का निर्माण किया जा सकता है। भारत आधुनिक रक्षा उपकरण एवं तकनीक का निर्माण करने में सक्षम है, इसे आपरेशन सिंदूर ने साबित भी कर दिया। हमारे रक्षा उपकरणों और तकनीक ने जिस तरह तुर्किये के ड्रोन की हवा निकालने के साथ चीनी एयर डिफेंस की पोल खोल दी, उसे विश्व भर के रक्षा विशेषज्ञ भी मान रहे हैं। रूस के सहयोग से बनी ब्रह्मोस मिसाइल और स्वदेशी तकनीक पर आधारित आकाश ने सिद्ध किया कि हमारे रक्षा विज्ञानी किसी से कम नहीं। उन्हें भरपूर प्रोत्साहन देने की आवश्यकता है। भारत की रक्षा सेना दुनिया में सबसे शक्तिशाली और सम्मानित सेनाओं में से एक है, जो अपने आकार, ताकत और उन्नत तकनीक के साथ वैश्विक मंच पर धूम मचा रही है। चाहे सीमाओं पर गश्त करना हो, आसमान की सुरक्षा करनी हो या विशाल हिंद महासागर को सुरक्षित रखना हो, भारत की सेना एक ऐसी ताकत है जिसका लोहा माना जाना चाहिए। भारत का लक्ष्य सिर्फ.वैश्विक सैन्य शक्तियों के साथ बने रहनाभर नहीं है-यह उनके साथ है बल्कि अब उससे आगे भी आना है। किसी भी युद्ध या संघर्ष में वायु सेना की भूमिका निर्णायक हो चली है। हमास-इजरायल जंग हो या रूस-यूक्रेन लड़ाई, इस तथ्य को पूरी दुनिया स्वीकारती है। ऑपरेशन सिंदूर के जरिये हमारी वायु सेना ने भी दिखा दिया है कि किस सटीकता से शत्रुओं के लक्ष्य को मटियामेट करने में वह सक्षम है। ऐसे में भारतीय वायु सेना की जरूरतों पर गंभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता है। वर्तमान में, भारत दुनिया में चौथे स्थान पर है, जो केवल संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस और चीन से पीछे है। यह स्थान इसके उन्नत विमान, बेहतर प्रशिक्षण और रणनीतिक महत्व के संयोजन के कारण अर्जित किया गया है। बहुमुखी राफेल जेट से लेकर शक्तिशाली सुखोई अपने रास्ते में आने वाली किसी भी चुनौती से निपटने के लिए सुसज्जित है। निश्चित ही भारत ने एक ऐसा सैन्य बल बनाया है जो ध्यान आकर्षित करता है, जिसमें विशाल जनशक्ति, अत्याधुनिक तकनीक और गहन रणनीतिक फोकस का संतुलन है। यह अब सिर्फ.एक क्षेत्रीय खिलाड़ी नहीं है; भारत खुद को एक प्रमुख वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित कर रहा है। भारतीय वायुसेना के पायलट दुनिया के सर्वश्रेष्ठ पायलटों में से हैं, जो न केवल हार्डवेयर बल्कि मानवीय तत्व के कारण हवाई प्रभुत्व बनाते हैं। चाहे वह सीमाओं पर खतरों का जवाब देना हो या हवाई श्रेष्ठता सुनिश्चित करना हो, भारत की वायु सेना अपनी रक्षा रणनीति में एक प्रमुख खिलाड़ी है, जो हमेशा आसमान की रक्षा के लिए तैयार रहती है।

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न श्रद्धेय चौधरी चरण सिंह की पुण्यतिथि 29 मई 2025 पर विशेष

किसान और गरीबों के मसीहा थे पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न श्रद्धेय चौधरी चरण सिंह

रामदुलार यादव
समाजवादी चिंतक

स्वामी दयानंद, महात्मा गांधी के दर्शन व विचार से प्रभावित आर्थिक, राजनैतिक चिंतक, किसानों, पिछडो, निर्धन, बेबस, लाचार व दलितों के मसीहा, देश व देश की जनता के उत्थान के लिए संघर्षरत, अद्भुत व्यक्तित्व, भारत रत्न, विलक्षण प्रतिभा के धनी, सरल हृदय श्रद्धेय चौधरी चरण सिंह का जन्म 23 दिसम्बर 1902 को गाजियाबाद जनपद के नूरपूर गांव के साधारण किसान परिवार मे हुआ था। प्रारम्भिक शिक्षा प्राप्त करने के पश्चात आप 1925 मे आगरा विश्वविद्यालय से इतिहास मे मास्टर की डिग्री, 1926 में वकालत की डिग्री पास की। आप शुरू से कुशाग्रबुद्धि, ग्रामीण पृष्ठभूमि की समझ रखने वाले, निर्भीकता से अपनी बात कहने वाले, नैतिक सदाचारी व ईमानदार नेता के रूप मे जाने जाते हैं। 1928 मे गाजियाबाद मे आपने वकालत शुरू की इसी बीच 1930 मे गांधीजी के 'सविनय अवज्ञा आंदोलन' मे नमक कानून तोड़ते हुए गिरफ़्तारी दी 6 महीने जेल मे रहे। 1942 मे महात्मा गांधी के आह्वान पर 'अंग्रेजों भारत छोड़ो' आंदोलन मे जेल गए। गांधीजी के 'करो या मरो' नारे के साथ लगातार प्रचार करते रहे, डी आई आर में बंद हुए, एक साल जेल में रहे, 1943 मे रिहा हुए। जेल में ही आपने 'शिष्टाचार' नामक पुस्तक लिखी तथा अंग्रेज लेखक स्टार्क के कथन को उद्धृत करते हुए कहा की शिष्टाचार अंकगणित के शून्य के समान है, चाहे वह स्वयं मूल्य न रखता हो किन्तु वह प्रत्येक अन्य गुण के मूल्य को कई गुना बढ़ाने की सामर्थ्य रखता है। शिक्षा पूर्ण करने तथा गाजियाबाद में वकालत करते हुए आप ने जिला कांग्रेस कमेटी का गठन किया, आप की कार्यकुशलता से प्रभावित होकर पार्टी कार्य के लिए मेरठ भेज दिया गया। मेरठ में संगठन को खड़ा करने मे चौधरी साहब ने पूरी शक्ति लगा दी, इसी का परिणाम रहा की सन 1937 मे वह पहली बार उत्तर प्रदेश में बागपत गाजियाबाद क्षेत्र से धारा सभा के लिए चुन लिए गए। पुनः 1938 मे धारा सभा उत्तर प्रदेश जो आज की विधानसभा है, के लिए निर्वाचित हुए। चौधरी साहब ने मंडी मे बीचौलियों द्वारा किसानों के शोषण को उजागर किया तथा रोक लगाने का कार्य किया। 1939 मे कर्ज मुक्त विधेयक 'धारा सभा' से पास करवाया जिससे उत्तर प्रदेश के लाखो किसान कर्ज के जाल से मुक्त हो गए।

उत्तर प्रदेश विधानसभा मे चौधरी साहब संसदीय सचिव, राजस्व मंत्री, सूचना, विधि एवं न्याय, कृषि, वन, सिंचाई और गृह मंत्रालय जैसे महत्वपूर्ण विभागों में सफलता पूर्वक अपने दायित्व का निर्वहन किया तथा अपनी कार्यकुशलता से उत्तर प्रदेश के दो बार मुख्यमंत्री बने। उत्तर प्रदेश में चौधरी साहब पक्के इरादे दूर दृष्टि व निर्भीकता पूर्वक ऐसे उल्लेखनीय कार्य किए जिससे करोड़ों किसान, गरीब लाभान्वित हुए। 'जमीदारी उन्मूलन भूमि सुधार बिल' 1952 मे पास करवाकर सराहनीय कार्य किया। इस विधेयक के पारित होने से किसान, जमीदार व बिचौलियों के शोषण से मुक्त हुए। परिणाम स्वरूप उत्तर प्रदेश के सभी कास्तकारों को जिस जमीन में वे हल चलाते थे एक झटके में सीरदार बना दिया तथा ऐसे सीरदार जो दस गुना लगान सरकारी खजाने में जमा कर भूमिधर (खेत के मालिक) बन गए 1953 में चकबंदी कानून पास करवाकर किसान की दूर दराज पड़ी जमीन को एक जगह कर दिया, जिससे किसान, मजदूर को काम करने मे सरलता हुई। अन्न का उत्पादन बढ़ने से देश व उत्तर प्रदेश की जनता को लाभ हुआ। जमींदारी उन्मूलन से उन गरीबों को लाभ हुआ, वे जहां रह रहे थे जहां उनके पेड़ व कुएं थे वह उनके हो गये तथा आबादी दर्ज हो गई। उन्हें अपना घर बनाने में कोई कठिनाई नहीं हुई, बीचोलियों के शोषण से न केवल किसान मुक्त हुए बल्कि गाँव मे रहने वाले धनहीन जातियाँ, दलित, अति पिछड़े भी लाभान्वित हुए। चौधरी चरण सिंह जी ने दूसरा महत्वपूर्ण ऐतिहासिक कार्य 'पिछड़ी जातियों में राजनीतिक चेतना पैदाकर' उन सोते हुए लोगों को जगाकर राजनीति में भागीदारी दिलवाकर सत्ता का नया केन्द्र स्थापित कर किया। जिसका परिणाम कई प्रदेशों मे अति पिछड़े और दलितों का राजनीति पर कब्जा हो गया तथा कई प्रदेशों में मुख्यमंत्री भी बने। वे लोग राजनीति की मुख्य धारा मे आ गये तथा आज राजनीति में रहकर प्रदेश व देश के महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर रहे हैं।

चौधरी चरण सिंह के उपरोक्त कार्य की सराहना बहुसंख्यक जनता मे हुई लेकिन अभिजात्य वर्ग उनका इसलिए विरोधी हो गया कि एक साधारण किसान परिवार में जन्म लेकर चौधरी चरण सिंह ने इतना बड़ा कार्य कर दिया जो विश्व के इतिहास मे मील का पत्थर बना। चौधरी साहब का सराहनीय कार्य उन लोगों को अच्छा नहीं लगा। वे लोग चौधरी चरण सिंह के विरोध में खड़े हो गए तथा दुष्प्रचार में लग गये। लेकिन लौह पुरुष चौधरी चरण सिंह इससे आप विचलित नहीं हुए तथा उनका जवाब देने के लिए 'उत्तर प्रदेश' में 'भूमि सुधार और कुलक वर्ग' नामक पुस्तक लिखी। चौधरी साहब ने, दो रुपये तक के किसानों के लगान माफ कर दिये तथा साढ़े छः एकड़ जोत पर लगान आधा कर दिया। अफसोस इस बात का रहा कि अभिजात्य वर्ग उनका विरोधी तो रहा ही लेकिन जिनके उत्थान के लिए चौधरी साहब जीवन पर्यंत संघर्ष करते रहे उन्होने भी उनका पूरा साथ नहीं दिया। 25 जून 1975 को देश में आपातकाल घोषित हुआ, चौधरी साहब जेल गये।

मैथवर्क्स द्वारा मैटलैब उपयोग के लिए काईट ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस को उत्तरी भारत में शीर्ष स्थान का सम्मान

गाज़ियाबाद (हिन्द आत्मा)। काईट ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस को मैथवर्क्स (मैथवर्क्स) द्वारा एक प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त हुआ है। यह सम्मान उत्तरी भारत में मैटलैब के कैंपस-वाइड लाइसेंस (सी०डब्ल्यू०एल) के सर्वाधिक प्रभावी उपयोग के लिए प्रदान किया गया है। यह गौरवपूर्ण पहचान भारत की 450 से अधिक संस्थाओं में से केवल शीर्ष 10% संस्थानों को दी गई है, और काईट उनमें से एक है। इस विशेष उपलब्धि के उपलक्ष्य में संस्था में एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में मैथवर्क्स और डिजाइनटेक सिस्टम्स प्रा. लि. के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे, जिनमे चंदन प्रमाणिक (डायरेक्टर-एजुकेशन, मैथवर्क्स), दीपक शर्मा (सेल्स अकाउंट मैनेजर-उत्तर भारत, मैथवर्क्स) एवं श्री अनूप पांडे (मैनेजर, डिजाइनटेक सिस्टम्स प्रा. लि.) शामिल थे। अपने वक्तव्य में चंदन प्रमाणिक ने काईट में शिक्षण और शोध के वातावरण की सराहना करते हुए कहा कि हर शिक्षक को निरंतर नए ज्ञान के अधिग्रहण में संलग्न रहना चाहिए। उन्होंने गुणवत्ता-आधारित प्रोजेक्ट्स की आवश्यकता पर जोर दिया और आई०आई०टी हैदराबाद में आगामी ड्रोन प्रतियोगिताओं की जानकारी भी दी। उन्होंने कहा कि मैथवर्क्स और शैक्षणिक संस्थानों के बीच सहयोग सतत विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। संस्थान के संयुक्त निदेशक, डॉ. मनोज गोयल ने स्वागत भाषण में कहा कि मैटलैब सी०डब्ल्यू०एल के प्रभावी उपयोग के लिए यह सम्मान हमारे अकादमिक उत्कृष्टता और नवाचार के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है। मैटलैब ने हमारे छात्रों और शिक्षकों को व्यावहारिक ज्ञान और नवाचार की दिशा में सशक्त किया है। निदेशक अकादमिक, डॉ. आदेश पांडे ने मैटलैब की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मैटलैब अब केवल एक सॉफ्टवेयर नहीं बल्कि नवाचार का आधार बन गया है। यह शिक्षण को उच्च स्तर पर ले जाता है, यूएन सस्टेनेबल डेवेलपमेंट गोल्स (जैसे स्वच्छ ऊर्जा, नवाचार आदि) में योगदान देता है, और छात्रों की सोचने, विश्लेषण करने और समाधान निकालने की क्षमताओं को बढ़ाता है। उन्होंने आगे कहा कि यह सम्मान कोई समापन नहीं, बल्कि एक नई यात्रा की शुरूआत है। हम मैटलैब को और अधिक उन्नत शिक्षण मॉड्यूल, शोध केंद्रों और बहु-विषयक परियोजनाओं में एकीकृत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। डीन आरएंडडी, डॉ. विभव कुमार सचान को इस आयोजन के समन्वयन और सफल संचालन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए विशेष धन्यवाद दिया गया उन्होंने मैटलैब लाइसेंस के प्रभावी क्रियान्वयन में तकनीकी और शैक्षणिक स्तर पर निरंतर मार्गदर्शन प्रदान किया है। संस्थान ने प्रबंधन सदस्यों का भी हार्दिक आभार प्रकट किया, जिनके दूरदर्शी निर्णय और समर्थन से मैटलैब सी०डब्ल्यू०एल की स्वीकृति संभव हो पाई। यह निर्णय संस्था में गुणवत्ता अनुसंधान और उद्योग-उन्मुख शिक्षण को बढ़ावा देने में सहायक सिद्ध हुआ है। आज मैटलैब का उपयोग काईट में विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक रूप से हो रहा है, जैसे अंतिम वर्ष की परियोजनाओं और प्रोटोटाइप निर्माण में, प्रायोजित शोध और रिसर्च पेपर प्रकाशन में, हैकाथॉन और राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में, वर्कशॉप्स और प्रमाणन कार्यक्रमों में, मशीन लर्निंग, सिग्नल प्रोसेसिंग, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, नियंत्रण प्रणाली आदि में इस सम्मान ने काईट को शैक्षणिक नवाचार और उत्कृष्टता की दिशा में अग्रणी बना दिया है। मैथवर्क्स और डिजाइनटेक के साथ सहयोग भविष्य में और भी नए आयाम खोलेगा।

बाट माप विभाग के अधिकारियों ने व्यापार मंडल के प्रतिनिधियों को विभाग की ऑनलाइन सेवाओं के बारे में जानकारी दी गई

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। बुधवार को बाट माप विभाग के अधिकारियों ने व्यापार मंडल के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर विभाग की ऑनलाइन सेवाओं के बारे में जानकारी दी। बैठक में विधिक माप विज्ञान विभाग के वरिष्ठ निरीक्षक चन्द्र प्रकाश पाण्डेय, हर्षवर्धन सिंह, राघवेंद्र सिंह तथा व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष संदीप बंसल, शहर अध्यक्ष श्रीपाल यादव, उपाध्यक्ष मूलचंद गर्ग जिला चेयरमैन राजेश बंसल तथा ऋषिपाल, अनूप शर्मा, अशोक कुमार, रिंकू गर्ग उपाध्यक्ष, सत्येंद्र कुमार गर्ग, नितिन मित्तल, अमित माथुर, सुंदरलाल माथुर, विनोद कुमार, तरूण गर्ग, गैस एजेंसी से रोहित शर्मा, मुबारक अली, शरद गुप्ता, आशु यादव, अजय कुमार, श्रीमती उषा एवं अमित शर्मा आदि व्यापारीगण उपस्थित रहे।

विधिक माप विज्ञान विभाग के अधिकारियों द्वारा बताया गया कि सरकार की मंशा के अनुरूप तथा ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के अंतर्गत व्यापारियों को सहूलियत देने के लिए बाट माप एवं तौल उपकरणों के सत्यापन की प्रक्रिया को ऑनलाइन कर दिया गया है। अब व्यापारी घर बैठे ऑनलाइन माध्यम से अपने तौल उपकरणों का सत्यापन मुद्रांकन करा सकता है। इसके लिए अब व्यापारी को कार्यालय जाने की आवश्यकता नहीं है। तौल उपकरणों के सत्यापन के लिए व्यापारी को विधिक माप विज्ञान विभाग के वेब पोर्टल https://legalmetrology-up.gov.in पर लॉगिन करके अपनी फर्म का रजिस्ट्रेशन करना होगा तत्पश्चात इसी पोर्टल पर ऑनलाइन माध्यम से अपने तौल उपकरणों के सत्यापन हेतु आवेदन कर सकेगा। व्यापारी इसी पोर्टल पर ऑनलाइन माध्यम से सत्यापन मुद्रांकन शुल्क जमा कर सकेगा तथा परीक्षण मुद्रांकन के उपरान्त सत्यापन प्रमाण पत्र स्वयं डाउनलोड एवं प्रिंट कर सकेगा। यह पूरी प्रक्रिया पूर्णतया ऑनलाइन एवं पारदर्शी है।

राम : मैंने साबुन से अपना शर्ट धोया और अब मुझे वह छोटा हो गया है।
श्याम : तुम भी उसी साबुन से नहा लो, फिर वह शर्ट तुम्हें फिट हो जाएगा।

Public Notice for loss of property document

Notice is hereby given to the public that following document is misplaced in the name of Sunil Ahuja, Sammer Kumar Ahuja, Sanjeev Ahuja, Kul Bhushan Ahuja and Gulshan Ahuja for the property bearing address at House No.12, New Gandhi Nagar, Ghaziabad namely Will dated 17/08/2017 vide Bahi no.3, Jild No. 628 Pages No. 115/130 Serial No. 1593. This document was misplaced on 25/05/2025 at 1.30 PM in Basant Road, Ghaziabad by present owner Shri Sameer Kumar Ahuja.

All person is hereby informed not to deal or carry out any transaction on the basis of the said missing document. If any-one find these document kindly inform in writing on the below mentioned address within 7 days from this date.

Sammer Kumar Ahuja
Present Owner
H.No.12, New Gandhi Nagar,
Ghaziabad, U.P.
M. No. 9650963653

तुलसी निकेतन कॉलोनी के पुनर्विकास हेतु जीडीए द्वारा सर्वेक्षण कार्य प्रगति पर

उपाध्यक्ष जीडीए के निर्देश पर अपर सचिव व अधिशाषी अभियंता की टीम ने किया दौरा

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण ने तुलसी निकेतन कॉलोनी के जर्जर भवनों के पुनर्विकास के लिए सर्वेक्षण कार्य प्रारंभ किया है। यह सर्वेक्षण जीडीए के उपाध्यक्ष अतुल वत्स के निर्देशन में किया जा रहा है। तुलसी निकेतन योजना के अंतर्गत 1989-90 में 2004 ईडब्ल्यूएस और 288 एलआईजी फ्लैट्स का निर्माण किया गया था। वर्तमान में इन भवनों की स्थिति अत्यंत जर्जर हो चुकी है, जिससे निवासियों की सुरक्षा पर खतरा मंडरा रहा है।

2018 में जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय द्वारा किए गए सर्वेक्षण में इन भवनों को रहने हेतु अयोग्य घोषित किया गया था। हाल ही में एक बालकनी गिरने की घटना में दो लोगों की मृत्यु होने के बाद पुनर्विकास की आवश्यकता और भी अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। जीडीए द्वारा लायी जा रही पुनर्विकास परियोजना पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (ढढढ) मॉडल के तहत क्रियान्वित की जाएगी। निर्माण कार्य के दौरान लगभग 7,000 निवासियों को अस्थायी रूप से स्थानांतरित किया जाएगा, जिसकी व्यवस्था और लागत डेवलपर द्वारा वहन की जाएगी। जीडीए द्वारा किए जा रहे सर्वेक्षण का उद्देश्य वर्तमान निवासियों की पहचान करना है, ताकि पुनर्विकास के पश्चात फ्लैट्स का उचित आवंटन सुनिश्चित किया जा सके। इस प्रक्रिया में जिला नगरीय विकास एजेंसी (डूडा) और नगर निगम की टीम संयुक्त रूप से शामिल है। जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स के अनुसार यह परियोजना निवासियों को सुरक्षित और बेहतर आवास प्रदान करने के लिए लायी जा रही है। उन्होंने सभी निवासियों से सहयोग की अपील की है, ताकि यह परियोजना सफलतापूर्वक पूर्ण की जा सके।

31 मई को अपनों के बीच आ रहे हैं पूर्व सांसद एवं मिजोरम के गवर्नर जन. वी.के.सिंह: अजय गुप्ता

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ समाजसेवी अजय गुप्ता ने कहा कि 31 मई को अपनों के बीच, गवर्नर मिजोरम सरकार जनरल वी.के.सिंह गाजियाबाद आ रहे हैं। देशभक्ति से परिपूर्ण, पूर्व सांसद एवं पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री, (वर्तमान में गवर्नर मिजोरम सरकार), जनरल वी.के. सिंह आप लोगों के बीच रूबरू होने के लिए आ रहे हैं, पहले यह 10 मई को आ रहे थे, पर देश में तनाव का माहौल था, क्योंकि भारत के सैनिक अपने कर्तव्य का निर्वाह करते हुए मोर्चे पर डटे हुए थे। जनरल वी.के.सिंह खुद भारतीय सेना के आर्मी चीफ रहे हैं और सैनिकों का मनोबल बढ़ाने के लिए उनकी संवेदनाएं हमेशा साथ रहती हैं इसलिए उनका आने का कार्यक्रम रद्द हो गया था पर अब वह आपके बीच 31मई को अपने आवास फ2/27 दिन शनिवार सुबह 11 बजे से 2 तक राजनगर में सभी नागरिकों का प्यार मिलने के कारण, आपसे रूबरू होंगे, सभी लोग अधिक से अधिक संख्या में उनके आवास पर पहुंचकर, उनका मान सम्मान बढ़ाएं, चाहे वह किसी भी पद पर रहे पर वह गाजियाबाद वालों से जो प्यार 10 साल में मिला उसको भुला नहीं पाएंगे। आपका और हमारा एक सच्चे देशभक्त का सम्मान करना हमारे लिए गौरव की बात है।

राष्ट्रीय व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष लायन बाल किशन गुप्ता बालू भाई को मिला बेस्ट सपोर्टिंग लायन का अवार्ड

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। देवभूमि उत्तराखंड के हरिद्वार में गाजियाबाद के समाजसेवी भाजपा नेता रेलवे बोर्ड सदस्य तथा राष्ट्रीय व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष बाल किशन गुप्ता बालू भाई को लाइन मल्टीपल काउंसलिंग के अध्यक्ष लायन पंकज बिजवान, इंटरनेशनल डायरेक्टर जितेंद्र सिंह चौहान एवं विनय मित्तल द्वारा फाइव स्टार होटल हयात में शानदार समारोह में बेस्ट सपोर्टिंग लायन के अवार्ड से सम्मानित करते हुए सैकडो लायन भाईयो-बहनो द्वारा बालकिशन गुप्ता बालू भाई को उन्नति एवं प्रगति की कामना करते हुए करतल ध्वनि से अभिनंदन किया।

अनन्या बंसल ने कक्षा 12 में 94.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर किया स्कूल वो माता पिता का नाम रोशन

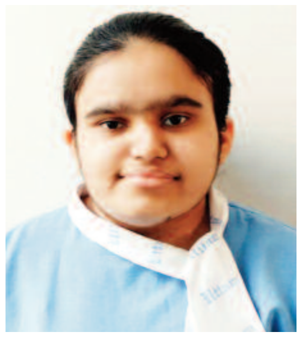

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। पंकज कुमार और मीनाक्षी बंसल की सुपुत्री, उत्तम स्कूल फॉर गर्ल्स की छात्रा अनन्या बंसल ने सीबीएसई बोर्ड 12वीं कक्षा में 94.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर माता पिता एवं स्कूल का नाम रोशन किया है। हिंद आत्मा परिवार अनन्या के उज्जवल भविष्य की कामना करता है।

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण द्वारा हिन्दी भवन में हुई व्यवसायिक/आवासीय भूखण्डों की नीलामी

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण द्वारा पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बुधवार को हिन्दी भवन, लोहिया नगर, गाजियाबाद में विभिन्न योजनाओं के रिक्त व्यवसायिक/आवासीय भूखण्डों के साथ-साथ कन्वीनियन्ट शॉपिंग भूखण्ड, दुकान भूखण्ड, ग्रुप हाउसिंग भूखण्ड, मल्टीप्लैक्स भूखण्ड, ओल्ड एज होम भूखण्ड, सामुदायिक केन्द्र भूखण्ड, शिक्षण संस्थान भूखण्ड व नर्सिंग होम भूखण्ड, अनुज्ञप्ति (लाईसेंस डीड) के आधार पर सामुदायिक केन्द्रों एवं आरडीसी में निर्मित क्योस्को एवं इन्दिरापुरम विस्तार योजना के आवासीय भूखण्डों की नीलामी प्राधिकरण हिन्दी भवन, लोहिया नगर, गाजियाबाद में आयोजित की गई। इस नीलामी में इन्दिरापुरम योजना के 05 कन्वीनियन्ट शॉपिंग भूखण्डों से रू० 4.84 करोड़, एवं 01 आवासीय भवन से रू० 1.04 करोड़, भूखण्ड, यू०पी० बार्डर 01 दुकान भूखण्ड से रू0 0.25 करोड़, इन्द्रप्रस्थ योजना के 01 व्यवसायिक भूखण्ड, से रू० 1.17 करोड़, कपूरीपुरम योजना के 01 आर्ट गैलरी भूखण्ड से रू० 3.07 करोड़, प्रताप विहार योजना के 01 आवासीय भूखण्ड से रू० 2.57 करोड एवं 01 व्यवसायिक भूखण्ड से रू० 11.06 करोड़ की नीलामी उच्चतम बोली के अनुसार हुई। इस प्रकार उक्त सम्पत्तियों के सापेक्ष प्राधिकरण को लगभग कुल रू० 24.00 करोड़ की सम्भावित आय होगी। उक्त सम्पत्तियों की नीलामी अपर सचिव महोदय की अध्यक्षता में सम्पन्न की गई, जिसमें प्रभारी मुख्य अभियन्ता, विशेषकार्याधिकारी/प्रभारी व्यवसायिक, सहायक अभियन्तागण, लेखाकार, वरिष्ठ सहायक आदि उपस्थित रहे।

पर्यटन

अपनी खूबसूरती और सफाई के लिए मशहूर हैं ये हिल स्टेशन

किसी कोने में भी नहीं मिलेगा कूड़ा

> वैसे तो देश में कई खूबसूरत हिल स्टेशन हैं लेकिन पिछले कुछ समय में इन जगहों पर स्वच्छता की कमी देखी गई है। हर कोई चाहता है कि वह साफ सुथरी जगह पर रहे। लेकिन उस जगह की साफ सफाई का ध्यान भी हमें ही रखना होता है।

प्रिया मिश्रा

हम जब भी गर्मियों मैं घूमने का प्लान बनाते हैं तो हमारे दिमाग में सबसे पहला नाम है स्टेशन का आता है। वैसे तो देश में कई खूबसूरत हिल स्टेशन हैं लेकिन पिछले कुछ समय में इन जगहों पर स्वच्छता की कमी देखी गई है। हर कोई चाहता है कि वह साफ सुथरी जगह पर रहे। लेकिन उस जगह की साफ सफाई का ध्यान भी हमें ही रखना होता है। आज के इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे हिल स्टेशन के बारे में बताने जा रहे हैं जो अपनी स्वच्छता के लिए मशहूर हैं -

तवांग, अरुणाचल प्रदेश

अरुणाचल प्रदेश से लगभग 3048 मीटर की ऊंचाई पर स्थित तवांग एक बेहद खूबसूरत और स्वच्छ हिल स्टेशन है। यह जगह अपनी सुंदर मठों और 6वें दलाई लामा त्सांगयांग ग्यात्सो किस जन्म स्थान के रूप में प्रसिद्ध है। तवांग शहर को दवांग के नाम से भी जाना जाता है। यह बौद्धों के लिए सबसे पवित्र जगहों में से एक है। सबसे खास बात यह है कि इस स्टेशन पर घूमते हुए आपको कहीं भी गंदगी नहीं दिखेगी।

कौसानी, उत्तराखंड

उत्तराखंड के बागेश्वर जिले में स्थित कौसानी एक खूबसूरत हिल स्टेशन है। यहां से हिमालय की चोटियां बेहद खूबसूरत नजर आती हैं। चीड़ के पेड़ों के जंगल और खूबसूरत वादियों से घिरा यह हिल स्टेशन आपको मंत्रमुग्ध कर देगा। कौसानी में सर्दियों के महीनों में बर्फबारी होती है, जिसका मजा उठाने के लिए बड़ी संख्या में पर्यटक यहां आते हैं। यहां की प्राकृतिक खूबसूरती और स्वच्छ वातावरण आपका मन मोह लेंगे।

इदुक्की, केरल

इदुक्की, केरल के सबसे खूबसूरत हिल स्टेशन में से एक है। यहां के आधी से ज्यादा जगह जंगलों से घिरी हुई है। यह जगह खूबसूरत वन्यजीव अभ्यारण्यों, जंगलों और रबर के बागानों के लिए प्रसिद्ध है। इदुक्की में 650 फीट लंबा और 550 फीट ऊंचा मेहराबादार बांध है। यह देख के सबसे बड़े बांध के रूप में मशहूर है।

हाफलांग, असम

असम में हाफलांग, गुवाहाटी से 310 किमी दूर स्थित है। यह हिल स्टेशन अपनी खूबसूरत पहाड़ियों, स्वच्छ और शांत वातावरण और घाटियों के लिए जाना जाता है। प्रकृति प्रेमियों के बीच हाफलांग काफी लोकप्रिय है। यह हिल स्टेशन समुद्र तल से 680 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है और छुट्टियाँ मानाने के लिए आदर्श है। यहां आप हाफलांग झील बोटिंग कर सकते हैं और माईबोंग के खंडहरों की यात्रा कर सकते हैं। यहाँ ऑर्किड गार्डन, बोरेल रेंज या जटिंगा काफी प्रसिद्ध पर्यटक स्थल हैं।

कन्नूर, केरल

केरल के मालाबार तट पर स्थित, कन्नूर, भारत के सबसे लोकप्रिय हिल स्टेशन में से एक है। कुन्नूर, ऊटी से सिर्फ 19 किमी की दूरी पर स्थित है और पश्चिमी घाट का दूसरा सबसे बड़ा हिल स्टेशन है। समुद्र तटों, चाय के बागानों, स्मारकों, प्राचीन मंदिरों और पिकनिक स्पॉट जैसे दर्शनीय विकल्पों के ढेरों से घिरा यह केरल का एक सुंदर शहर है। कुन्नूर नीलगिरि पहाड़ियों और कैथरीन वाटरफॉल के शानदार नजारों के लिए जाना जाता है। यहाँ सालभर मौसम सर्द रहता है जिसके कारण गर्मियों में यहाँ बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं।

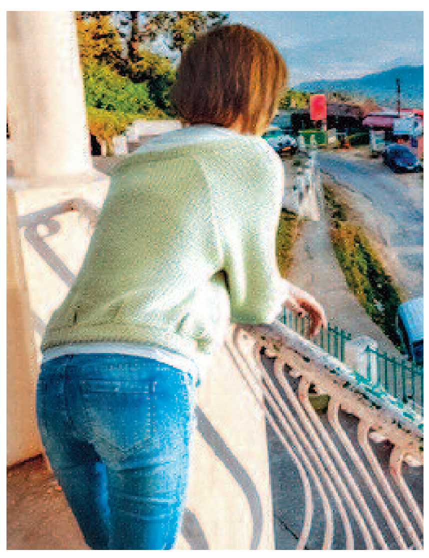

घरेलु नुस्खे

इन फायदों को जानने के बाद आप जरूर खायेंगे जामुन

मिताली जैन

जामुन एक ऐसा फल है, जिसे अधिकतर घरों में लोग खाना पसंद करते हैं। इस फल को खाने के अलावा इसके बीजों का भी इस्तेमाल किया जाता है। यह पेट से जुड़ी दिक्कतों को दूर करने में सहायक है। जामुन से आपको कई तरह के हेल्थ व स्किन बेनिफिट्स मिलते हैं, जिसके बारे में आज हम आपको बता रहे हैं-

एक्ने को रखें दूर

स्किन केयर एक्सपर्ट के अनुसार, जामुन में कुछ ऐसे तत्व पाए जाते हैं जो एक्ने का उपचार करने में बेहद प्रभावी होते हैं। अगर आपकी स्किन ऑयली है तो आपको इसका सेवन जरूर करना चाहिए। इसके अलावा, आप थोड़े से जामुन के बीजों को पीसकर उसमें थोड़ा सा गाय का दूध मिलाएं। इसे अच्छे से मिलाएं। बिस्तर पर जाने से पहले इस पेस्ट को अपने पिंपल्स पर लगाएं। अगली सुबह इसे धो लें। नियमित रूप से इस उपचार से आपको कुछ ही दिनों में फर्क दिखाई देने लगता है।

बढ़ाए हीमोग्लोबिन काउंट

हेल्थ एक्सपर्ट बताते हैं कि विटामिन सी और आयरन से भरपूर, जामुन हीमोग्लोबिन बढ़ाता है। हीमोग्लोबिन की बढ़ती संख्या के साथ, आपका रक्त अंगों में अधिक ऑक्सीजन ले जाएगा और आपको स्वस्थ रखेगा। फल में मौजूद आयरन आपके रक्त को भी शुद्ध करता है।

दिल को रखें स्वस्थ

जामुन आपके हृदय के लिए भी बेहद लाभदायक माना गया है, ऐसा इसमें मौजूद पोटेशियम के कारण होता है। प्रति 100 ग्राम जामुन में लगभग 55 मिलीग्राम पोटेशियम मौजूद है। फल हाई ब्लड प्रेशर, दिल की बीमारियों और स्ट्रोक जैसी बीमारियों को दूर रखने में फायदेमंद है। यह आपकी धमनियों को भी स्वस्थ रखता है और इसके सख्त होने से बचाता है।

> *जामुन में कुछ ऐसे तत्व पाए जाते हैं जो एक्ने का उपचार करने में बेहद प्रभावी होते हैं। अगर आपकी स्किन ऑयली है तो आपको इसका सेवन जरूर करना चाहिए। इसके अलावा, आप थोड़े से जामुन के बीजों को पीसकर उसमें थोड़ा सा गाय का दूध मिलाएं।*

त्वचा और आंखों के स्वास्थ्य में सुधार

जामुन में मौजूद आयरन रक्त को शुद्ध करने वाले एजेंट के रूप में काम करता है। जिससे आपकी स्किन भी दमकने लगती है। यह आपकी त्वचा और आंखों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करता है। फल कई मिनरल्स और विटामिन सी और ए में भी समृद्ध है।

इंफेक्शन से बचाए

जामुन में एंटीबैक्टीरियल, एंटी-इनफेक्टिव और एंटी-मलेरिया गुण होते हैं। फल में मैलिक एसिड, टैनिन, गैलिक एसिड, ऑक्सालिक एसिड और बेटुलिक एसिड भी होते हैं। जामुन का सेवन करने से आम संक्रमणों को रोकने में काफी मदद मिलती है।

30 मई को प्रधानमंत्री मोदी पांच इकाइयों का करेंगे उद्घाटन और शिलान्यास

पीएम मोदी के दौरे से पहले सीएम योगी ने परखीं तैयारियां

कानपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 30 मई को प्रस्तावित कानपुर दौरे के मद्देनजर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को तैयारियों की समीक्षा की और अधिकारियों को जरुरी दिशा निर्देश दिये। पीएम मोदी 30 मई को कानपुर में 20 हजार 900 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। इस दौरान वह खुर्जा, ओबरा और जवाहरपुर थर्मल पावर प्लांट की पांच इकाइयों का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) मैदान में एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे। इस दौरे से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को जनसभा स्थल का निरीक्षण किया और अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर तैयारियों को अंतिम रूप दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कानपुर पहुंचकर सीएसए मैदान में जनसभा स्थल का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने संयुक्त आयुक्त उद्योग के सभागार में जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह द्वारा प्रस्तुत तैयारियों के प्रस्तुतीकरण की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि 30 मई को होने वाले कार्यक्रम में पार्किंग, पेयजल, स्वच्छता और यूरिनल जैसी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने सड़कों को साफ-सुथरा रखने और झाड़ियों को हटाने के लिए विशेष स्वच्छता अभियान चलाने का आदेश दिया। साथ ही, ट्रैफिक जाम से बचने के लिए सुव्यवस्थित यातायात और पार्किंग प्लान तैयार करने पर जोर दिया। प्रधानमंत्री मोदी के दौरे के दौरान खुर्जा सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट (1320 मेगावाट, बुलंदशहर), ओबरा थर्मल पावर स्टेशन (1660 मेगावाट, सोनभद्र) और जवाहरपुर थर्मल पावर स्टेशन (1320 मेगावाट, एटा) की पांच इकाइयों का लोकार्पण और शिलान्यास होगा। मुख्यमंत्री योगी ने इन परियोजनाओं को विद्युत आपूर्ति के लिए मील का पत्थर बताया। इनके शुरू होने से उत्तर प्रदेश में बिजली की उपलब्धता बढ़ेगी, जिससे औद्योगिक और घरेलू जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी। बुलंदशहर में स्थित खुर्जा सुपर थर्मल पावर प्लांट 1320 मेगावाट की क्षमता वाला कोयला आधारित सुपरक्रिटिकल पावर प्लांट है जो टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड द्वारा संचालित है। वहीं, सोनभद्र में 1660 मेगावाट की क्षमता वाला ओबरा थर्मल पावर स्टेशन उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड के अंतर्गत आता है। जबकि एटा में 1320 मेगावाट की क्षमता वाला सुपरक्रिटिकल जवाहरपुर थर्मल पावर स्टेशन जवाहरपुर विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड द्वारा संचालित है। मुख्यमंत्री ने मेट्रो अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे श्रमिकों, सेवानिवृत्त कर्मचारियों, सफाई कर्मचारियों, मेधावी छात्र-छात्राओं और अन्य संगठनों के लिए समय-समय पर मेट्रो में मुफ्त यात्रा के इवेंट आयोजित करें। इससे मेट्रो को सार्वजनिक परिवहन के सबसे बेहतर साधन के रूप में प्रचारित किया जा सकेगा। इसके अतिरिक्त, पुलिस आयुक्त अखिल कुमार ने जनसभा स्थल की सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में प्रस्तुतीकरण दिया। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि इमरजेंसी प्लान, ट्रैफिक प्लान, और एंटी-ड्रोन सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद हो। साथ ही, इलेक्ट्रिक और फायर सेफ्टी सुनिश्चित करने के लिए एसपीजी, एनएसजी और आईबी के साथ समन्वय बनाए रखने को कहा।

निकाली जाएगी तिरंगा यात्रा

उन्होंने जनप्रतिनिधियों से 30 मई को तिरंगा यात्रा निकालकर राष्ट्रीयता का भाव जागृत करने का आह्वान किया, जो बिना अनर्गल नारों के जनसभा स्थल तक पहुंचे। बैठक में मुख्यमंत्री जी के अतिरिक्त सांसद अकबरपुर देवेंद्र सिंह 'भोले', महापौर प्रमिला पांडेय, विधायक नीलिमा कटियार, विधायक सुरेंद्र मैथानी, विधायक राहुल बच्चा सोनकर, मंडलायुक्त के विजयेंन्द्र पंडियन, पुलिस आयुक्त अखिल कुमार, अपर पुलिस महानिदेशक आलोक सिंह, जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह, मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन समेत संबंधित विभागों के अन्य संबंधित आलाधिकारी उपस्थित रहे।

गाज़ियाबाद शहर विधानसभा में पंचायत प्रतिनिधि सम्मेलन का आयोजन- जनप्रतिनिधियों ने लिया सुशासन और सेवा का संकल्प

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाज़ियाबाद। पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर त्रिशताब्दी स्मृति अभियान-2025 के अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी, महानगर गाज़ियाबाद द्वारा पंचायत प्रतिनिधि सम्मेलन का आयोजन एसडी रॉयल बैंकेट, सेक्टर-11, प्रताप विहार गाजियाबाद में किया गया। यह सम्मेलन शहर विधानसभा क्षेत्र के पंचायत जनप्रतिनिधियों को केंद्र में रखकर आयोजित किया गया, जिसकी अध्यक्षता भाजपा महानगर अध्यक्ष श्री मयंक गोयल ने की और मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के प्रदेश मंत्री बसंत त्यागी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष महेश अग्रवाल, पूर्व एमएलसी सुरेश कश्यप, पूर्व डिप्टी मेयर राजेश्वर प्रसाद, मोनिका पण्डिता, के के शुक्ला, सुशील गौतम, बॉबी त्यागी, प्रदीप चौहान आदि ने विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया। सम्मेलन में बड़ी संख्या में पंचायत प्रतिनिधि, वार्ड सदस्य, जिला व मंडल पदाधिकारी तथा स्थानीय कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने सुशासन, सेवा और समर्पण की भावना से काम करते हुए जनहित के कार्यों को और प्रभावी बनाने का संकल्प लिया। महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि पंचायत प्रतिनिधि ही लोकतंत्र की जड़ें हैं। जब जड़ें मजबूत होती हैं, तभी राष्ट्र की नींव भी सशक्त होती है। पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर जैसी महान विभूतियों की स्मृति में हो रहे ये आयोजन हमारे समाज को प्रेरणा देने वाले हैं। भाजपा सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना ही हमारी प्रतिबद्धता है। प्रदेश मंत्री बसंत त्यागी ने कहा कि पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर के जीवन से हमें जनसेवा, न्यायप्रियता और महिला सशक्तिकरण की प्रेरणा मिलती है। भाजपा उन्हीं मूल्यों के साथ राष्ट्र निर्माण के मार्ग पर अग्रसर है। यह सम्मेलन कार्यकताओं को न केवल प्रेरित करेगा, बल्कि जिम्मेदारी का भी अहसास कराएगा। महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने सभी अतिथियों, जनप्रतिनिधियों और कार्यकताओं का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के संयोजन में सुरेन्द्र नागर, पंकज भारद्वाज, ललित कश्यप, विनोद कसाना तथा मीडिया प्रबंधन में प्रदीप चौधरी का सराहनीय सहयोग रहा।

शहर विधायक संजीव शर्मा व उनकी पत्नी ऋतु शर्मा एवं आशीष अग्रवाल और रूबी अग्रवाल द्वारा बद्रीनाथ धाम में आयोजित भागवत कथा में हुआ भगवान कृष्णजन्मोत्सव

कथा व्यास अभिषेक भाई ने कृष्ण जन्मोत्सव के प्रसंग का श्रवण करा भक्तों को मोहित किया

हिन्द आत्मा संवाददाता

बद्रीनाथ धाम। शहर विधायक संजीव शर्मा व उनकी पत्नी ऋतु शर्मा एवं आशीष और रूबी अग्रवाल द्वारा शिव बद्रिका धाम बद्रीनाथ में श्रीमद भागवत कथा का आयोजन कराया जा रहा है। 25 मई से प्रारंभ हुई भागवत कथा के चौथे दिन बुधवार को कृष्ण जन्मोत्सव हुआ तो बद्रीनाथ धाम भगवान कृष्ण के जयकार से गूंज उठा। कथा व्यास अभिषेक भाई जी बालाजी धाम आश्रम आगरा ने कृष्ण जन्मोत्सव का प्रसंग सुनाया तो हर कोई भाव विभोर हो गया। कथा व्यास अभिषेक भाई ने कहा कि भगवान कृष्ण ने धर्म और न्याय की रक्षा के लिए अवतार लिया। उनकी हर बाल लीला युगों योगों तक सभी को मोहित करती रहेगी और जीवन रूपी भव सागर से पार उतारती रहेगी। उन्होंने भजनों से भगवान के जनम की बधाई दी जिन पर भक्त घंटों झूमते रहे। विधायक संजीव शर्मा ने बताया कि बद्रीनाथ धाम में आयोजित भागवत कथा में भगवान कृष्ण के जन्मोत्सव के प्रसंग का श्रवण कर जीवन सफल हो गया। यह भगवान की उन पर असीम कृपा है कि जो उन्हें ऐसा सौभाग्य प्राप्त हुआ।

गाजियाबाद नगर निगम द्वारा संपत्ति कर में अत्यधिक वृद्धि के विरोध में

महानगर उद्योग व्यापार मंडल ने विधायक अजीत पाल त्यागी को ज्ञापन सौंपा

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद नगर निगम द्वारा संपत्ति कर नियमवली 2000 यथा संशोधित एवं नगर निगम अधिनियम 1959 की सुसंगत धाराओं के विपरीत जाकर हठपूर्वक संपत्ति करो में 3 से 5 गुना तक वृद्धि कर के नोटिस एवं बिल देने के संबंध में महानगर उद्योग व्यापार मंडल ने महानगर अध्यक्ष गोपीचंद प्रधान के नेतृत्व में विधायक अजीत पाल त्यागी को ज्ञापन सौंपा। गाजियाबाद नगर निगम द्वारा आवासीय एवं व्यवसायिक कर टैक्स 3 से 5 गुना तक वृद्धि करते हुए बिल एवं नोटिस दिया जा रहा है। किसी-किसी के क्षेत्र में व्यवसायिक कर 10 गुना तक भी बढ़ाकर दिया गया है। यह गाजियाबाद के नागरिकों के साथ अन्याय है इसलिए आपसे अनुरोध है कि डीएम सर्किल रेट के आधार पर टैक्स नहीं लगाया जाए इसके साथ ही कुछ बिंदुओं पर आपको अवगत कराना चाहते हैं जो इस प्रकार है जिनमें नगर निगम अधिनियम की धारा 174 (ख) के अनुसार प्रत्येक 2 वर्ष में एक बार ही संपत्ति करो टैक्स में वृद्धि की जा सकती है। गाजियाबाद नगर निगम द्वारा वर्ष 2023 2024 में संपत्ति करो टैक्स की वर्तमान दरों में 10% की वृद्धि की जा चुकी है। जो वर्ष 2024 2025 अंतर्गत 31.3.2025 तक लागू है।

गाजियाबाद नगर निगम में वर्तमान में जिन किराया की दरों पर संपत्ति करो की दरें लागू है। उन्हें 3 से 5 गुना तक एक साथ बढ़ाना किसी भी तरह से उचित प्रतीत नहीं होता है। इससे गाजियाबाद की जनता में असंतोष एवं गुस्सा है और सरकार की बदनामी भी हो रही है।

गाजियाबाद नगर निगम के अधिकारी अपनी संपत्तियों जैसे रामतेराम रोड शॉपिंग कंपलेक्स और नेहरू नगर में बनाए गए ऑडिटोरियम को कई वर्ष बीतने के बाद भी अपनी इन संपत्तियों को डीएम सर्किल रेट आधारित किराए पर नहीं उठा पाए हैं तो आम नागरिकों पर 3 से 5 गुना तक वृद्धि करना न्याय संगत नहीं है। उपरोक्त कथनों में देखते हुए यह मानने को पर्याप्त आधार है कि आम नागरिकों पर नियम विरुद्ध जाकर संपत्ति करो में वृद्धि डीएम सर्किल रेट आधारित किराए की दरों पर नहीं होना चाहिए। वर्तमान लागू संपत्ति करो को 3 से 5 गुना तक बढ़ाया जाना किसी भी स्थिति में न्यायसंगत नहीं है। इसलिए संपत्ति करो में जायज वृद्धि के लिए धारा 174 (ख) में डीएम सर्किल रेट आधार को छोड़कर अन्य दो विकल्पों के आधार पर संपत्ति करो में वृद्धि के प्रस्ताव तैयार करके, नियम अनुसार प्रक्रिया पूरी करके, सदन की स्वीकृति, अनुमति लेकर ही संपत्ति करो में वृद्धि किया जानी तर्कसंगत होगी।

पत्र के माध्यम से उन्होंने आग्रह किया है कि गाजियाबाद नगर निगम के अधिकारियों को उपरोक्त के संबंध में न्याय संगत कार्रवाई करने के लिए जनहित में आदेशित करने की कृपया करें तथा तब तक पूर्व से लागू संपत्ति करो को ही जारी रखा जाए। इस अवसर पर चेयरमैन बृजमोहन सिंगल, अध्यक्ष गोपीचंद प्रधान, कोषाध्यक्ष नरेश अग्रवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील गोयल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजदेव त्यागी, उपाध्यक्ष सुनील गोयल, युवा कोषध्यक्ष अमित मैदान, संजय नगर व्यापार मंडल के चैयरमेन प्रदीप गर्ग, अध्यक्ष विपिन गोयल, महामंत्री हरीश शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजा त्यागी, पूर्व कोषध्यक्ष बबलू सिंह, दीपक त्यागी, शास्त्री नगर व्यापार मंडल के चेयरमैन कुंवर पाल अध्यक्ष सुधीर चौधरी।

यूजर चार्ज के बिलों को नियमित वितरण किया जाना चाहिए : पार्षद नीरज गोयल

गाजियाबाद (हिन्द आत्मा)। निगम में कार्यकारणी सदस्य व पार्षद नीरज गोयल ने यूजर चार्ज को नियमित करने के लिए नगरायुक्त विक्रमादित्य मलिक को मिल कर एक पत्र दिया। नीरज गोयल ने पत्र देते हुए बताया कि शहर को साफ व सुंदर बनाए रखने के लिए नगर निगम द्वारा डोर टू डोर कूड़ा लेने के लिए गाड़ी जाती है जिस से क्षेत्रवासियों को कूड़ा को लेकर सुविधा होती है निगम द्वारा इस कूड़े को लेने के लिए एक निर्धारित शुल्क तय कर रखा है। लेकिन अभी तक बहुत से घरों व कॉमर्शियल भवनों पर यूजर चार्ज का बिल नहीं पहुंच रहा है जिस से वह भवन स्वामी भ्रमित है कि उस के भवन पर यूजर चार्ज नहीं लग रहा है। लेकिन जब वह निगम कार्यालय जाता है तो पता चलता है पीछे वर्षों से उस पर यूजर चार्ज लग रहा वो अब हजारों रुपये में हो गया है। यह रकम एक साथ बड़ी हो जाने पर उस को जमा करने में परेशानी होती है तथा वह अपने ऊपर निगम द्वारा हिटलर शाही समझता है। निगम द्वारा यूजर चार्ज लगाने से संबंधित मानकता को सार्वजनिक किया जाए तथा बकायेदारों पर बिल/एसएमएस भेज कर जागरूक किया जाए। सड़क के किनारे व पटरी पर लग रहे ठियो से भी निर्धारित यूजर चार्ज वसूला जाना चाहिए तथा इन के लिए यूजर चार्ज से संबंधी नियम बनाए जाए। नगरायुक्त ने आश्वासन देते हुए बताया कि यूजर चार्ज एकत्रित करने के लिए निगम ने एक कम्पनी को निर्धारित कर दिया है जल्दी ही सभी भवन स्वामियों को यूजर चार्ज के बिल मिल जाएंगे साथ ही उन्होंने सम्बंधित अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि इस विषय मे सम्बंधित अधिकारियों की एक बैठक बुलाई जाए तथा एसएमएस द्वारा सभी भवन स्वामियों को बिल भेजें जाए।

स्वामी चिदानन्द सरस्वती का आह्वान -मासिक धर्म शर्म का नहीं, सृजन का विषय

मासिक श्रीराम कथा के दिव्य मंच से मासिक धर्म पर स्वच्छता, सम्मान और संवाद का संदेश

हिन्द आत्मा संवाददाता

ऋषिकेश। परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश में चल रही मासिक श्रीराम कथा के दिव्य और गरिमामय मंच से परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती ने एक अनूठा और समाज को झकझोरने वाला संदेश दिया गया। उन्होंने मासिक श्रीराम कथा के पावन अवसर पर सभी उपस्थित श्रद्धालुओं, माताओं, बहनों और युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि मासिक धर्म शर्म का नहीं, सृजन का विषय है। यह नारी के भीतर छुपी प्रकृति की रचनात्मक शक्ति का प्रतीक है। स्वामी जी ने कहा कि जहां श्रीराम कथा के माध्यम से हम मयार्दा, सेवा, प्रेम और समर्पण का पाठ पढ़ते हैं, वहीं आज विश्व मासिक धर्म स्वच्छता दिवस के अवसर पर इस मंच से हमें समाज में व्याप्त मासिक धर्म से जुड़ी चुप्पी, संकोच और भ्रम को तोड़ने का भी संकल्प लेना होगा। उन्होंने कहा कि जैसे भगवान श्रीराम ने समाज को मयार्दा का मार्ग दिखाया, वैसे ही हमें भी अब मासिक धर्म जैसे आवश्यक विषयों पर खुलकर, गरिमा के साथ चर्चा करनी होगी। स्वामी चिदानन्द सरस्वती ने कहा कि आज भी हमारे देश के कई हिस्सों में मासिक धर्म को लेकर सामाजिक वर्जनाएं हैं। इसके कारण कई स्थानों पर बेटियों को स्कूल जाना भी छोड़ना पड़ता है, कई परिवारों में उन्हें अलग कमरे में बैठा दिया जाता है, और इस विषय पर बातचीत करना अशोभनीय समझा जाता है। यह सोच न केवल नारी शक्ति का अपमान है, बल्कि स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे उनके मूलभूत अधिकारों का हनन भी है। स्वामी जी ने कहा कि धर्म का उद्देश्य है जागरूकता, करुणा और समरसता है। यदि मासिक धर्म के विषय पर चुप्पी समाज को पीड़ा दे रही है, तो धर्म की जिम्मेदारी है कि वह समाज को इस पीड़ा से मुक्त करे। उन्होंने श्रीराम कथा के मंच से सभी धर्मगुरुओं, शिक्षकों, अभिभावकों और युवाओं से आग्रह व आह्वान करते हुये कहा कि वे मासिक धर्म को लेकर खुली, संवेदनशील और सम्मानजनक चर्चा को बढ़ावा दें। श्रीराम कथा व परमार्थ निकेतन आने वाले बालिकाओं के ग्रुप से स्वामी जी ने माहवारी के विषय में चर्चा की। इस चर्चा में भाग लेने वाली बालिकायें व मातायें भावुक हो उठीं और कहा कि पहली बार किसी धार्मिक मंच से उन्हें इतनी गरिमा और संवेदना के साथ सुना गया। स्वामी जी ने अपने संबोधन में एक मार्मिक प्रश्न उठाया कि जब नवरात्रि में हम कन्याओं के चरण धोते हैं, और उसी कन्या की महावारी को हम अशुद्ध कैसे कह सकते हैं? यह वाक्य पूरे पंडाल में मौन और विचार की लहर ले आया। उन्होंने कहा कि मासिक धर्म कोई बीमारी नहीं, यह नारी की जैविक प्रक्रिया है, जो संतान सृजन के लिए आवश्यक है। इसे छुपाना नहीं, समझाना होगा, इसे अपवित्र नहीं, पवित्र दृष्टि से देखना होगा। स्वामी जी ने विशेष रूप से युवाओं से आग्रह किया कि सोशल मीडिया का प्रयोग सिर्फ ट्रेंडिंग हैशटैग्स के लिए नहीं, बल्कि ऐसे जागरूकता अभियानों के लिए करें जो समाज को शिक्षित करें। स्वामी जी ने सभी को संकल्प कराया कि हम सभी मासिक धर्म के विषय में चुप नहीं रहेंगे। अपनी बेटियों, बहनों और छात्राओं को स्वच्छता, जानकारी और गरिमा से युक्त जीवन देने का प्रयास करेंगे। स्वामी चिदानन्द सरस्वती का यह भी संदेश दिया है कि आज के भारत के लिए अत्यंत प्रासंगिक है, जहाँ एक ओर हम चंद्रमा पर पहुंच रहे हैं, वहीं दूसरी ओर हमारी बेटियाँ मासिक धर्म के कारण स्कूल से वंचित हो रही हैं। अब समय है कि धर्म, विज्ञान और समाज साथ आएं और नारी शक्ति को उसकी संपूर्ण गरिमा और स्वास्थ्य का अधिकार दिलाएँ।